

संस्कृतविद्यालयीन शिक्षण प्रणाली
अभिरुचिपूर्ण शिक्षण प्रणाली

चैत्र वद्यपक्ष के द्वितीय दिवस पर
आप सभी को शुभकामनाएं

माँ ब्रह्मचरिणी

रानी शक्ती की
मनोकामना पूर्ण करें

ब्रीफ न्यूज

‘2028 में कांग्रेस सरकार बनी तो एक-एक का हिसाब होगा’ : डोटासरा



● राजस्थान दर्शन

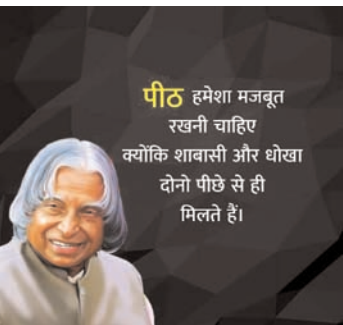
जयपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के कथित गलत कार्यों में साथ देने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों की सूची तैयार की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि 2028 में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी और 2029 में केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार आएगी। डोटासरा ने कहा कि दिल्ली में राहुल गांधी और राजस्थान में कांग्रेस नेता ऐसे लोगों की सूची तैयार कर रहे हैं। उन्होंने निकाय चुनावों में कथित गड़बड़ियों की जांच की मांग करते हुए डीजीपी की ओर से विजिलेंस जांच कराने की जानकारी का स्वागत किया। डोटासरा ने पंचायत चुनाव में भाजपा का सुपड़ा साफ होने का दावा भी किया। उन्होंने पाली में बौड़ गठन को लेकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ पर वोटों की कथित हेराफेरी और 25 करोड़ रुपये खर्च करने के आरोप लगाए। भाजपा नेताओं पर लगाए गए इन आरोपों पर संबंधित पक्ष का जवाब खबर में शामिल नहीं है।

आरएसएस जिला प्रचारक से मारपीट का आरोप



● राजस्थान दर्शन

जयपुर। जयपुर ग्रामीण के नरैना कस्बे में आरएसएस के सांभर जिला प्रचारक कृष्णकांत के साथ कथित मारपीट और बदसलूकी का मामला सामने आया है। आरोप है कि गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोककर मारपीट की और बाद में शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। घटना के विरोध में रविवार सुबह आरएसएस के स्वयंसेवक नरैना धाने पहुंचे और नाराजगी जताई। मामले में जयपुर ग्रामीण एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने नरैना थानाधिकारी उमराव गुर्जर, एसआई ऑंकार व रमेश तथा कांस्टेबल कुलदीप, महिपाल और विनोद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मामले की विभागीय जांच एसपी स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है। घटना के बाद सांभर वृत्ताधिकारी मुकेश जोशी और फूलेंस के पूर्व विधायक निर्मल चौधरी भी धाने पहुंचे।



गांवों से पलायन रोकने का संकल्प, हर पंचायत में खेल मैदान और अटल ज्ञान केंद्र।

भाजपा के ग्राम विकास संकल्प पत्र में शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और किसानों पर फोकस; गांवों में ही सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा

● राजस्थान दर्शन

जयपुर। पंचायतीराज चुनाव की सरगर्मियों के बीच भाजपा ने ग्रामीण राजस्थान के विकास का एजेंडा सामने रखते हुए रविवार को ग्राम विकास संकल्प पत्र जारी किया। मुख्यमंत्री अजयलाल शर्मा ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में संकल्प पत्र का विमोचन करते हुए गांवों से शहरों की ओर होने वाले पलायन को रोकने, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार की सुविधाएं बढ़ाने तथा युवाओं को गांवों में ही आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप सशक्त गांव और समृद्ध भारत की परिकल्पना को साकार करने का संकल्प जताया। भाजपा के इस संकल्प पत्र में प्रत्येक ग्राम पंचायत में

राजस्थान दर्शन

मां की ज्योति लेकर लौट रहे श्रद्धालुओं को कैटर ने रौंदा, 4 की मौत

● राजस्थान दर्शन

सहारनपुर। मां शकंभरी देवी की ज्योति लेकर लौट रहे श्रद्धालुओं की यात्रा शनिवार सुबह दर्दनाक हादसे में मातम में बदल गई। सहारनपुर के देवबंद हाईवे पर तेज रफ्तार कैटर ने श्रद्धालुओं को रौंद दिया और आगे चल रही ज्योति, ट्रॉली तथा डीजे वाहन को भी टक्कर मार दी। हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही परिवारों में चीख-पुकार मच गई। जिन घरों में देवी की ज्योति के आगमन की तैयारी थी, वहां अपनी को खोने का गम छा गया।

एक झटके में उजड़ गई परिवारों की खुशियां

मां शकंभरी देवी के दर्शन और ज्योति लेकर लौट रहे श्रद्धालुओं को अंदाजा भी नहीं था कि रास्ते में मौत उनका इंतजार कर रही है। तेज रफ्तार कैटर ने श्रद्धालुओं को अपनी चपेट में लेते हुए आगे चल रहे वाहनों को टक्कर मार दी। अचानक हुए इस

हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। चार लोगों की मौत ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया, वहीं 15 घायलों के उपचार को लेकर परिजनों की चिंता बढ़ गई।

दोस्त ने यात्रा पर जाने से किया था मना

हादसे से जुड़ी खबर में एक दोस्त की ओर से यात्रा पर नहीं जाने की सलाह दिए जाने का भी उल्लेख है। हादसे के बाद यह बात दर्द को और गहरा कर देती है। हालांकि, संबंधित व्यक्ति और घटना की परिस्थितियों का विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं होने से इस पहलू की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है।

आस्था की यात्रा का दर्दनाक अंत

धार्मिक आस्था के साथ मां शकंभरी देवी की ज्योति लेकर निकले श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा कभी न भूलने वाला दुख बन गई। हादसे में जान



गंवने वालों के परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जबकि घायल श्रद्धालु अस्पतालों में ज़िंदगी की जंग

लड़ रहे हैं। एक सड़क हादसे ने कई घरों की खुशियां छीन लीं और पीछे छोड़ गया ऐसे सवाल, जिनके

जवाब पीड़ित परिवार लंबे समय तक तलाशते रहेंगे।

चेन्नई को मिली मेट्रो की नई रफ्तार, पीएम मोदी ने किया पूनमल्ली-वडापलानी रूट का उद्घाटन



● राजस्थान दर्शन

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई को यातायात की भीड़ से राहत दिलाने की दिशा में रविवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूनमल्ली-वडापलानी मेट्रो रेल सेवा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री विजय ने एक ही मेट्रो ट्रेन में सफर किया तथा अधिकारियों से परियोजना की प्रगति और संचालन से जुड़ी जानकारी ली। इस मेट्रो सेवा के शुरू होने से चेन्नई के पश्चिमी हिस्सों में आवागमन सुगम होने और सड़क यातायात का दबाव कम करने की उम्मीद है। चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण के तहत 118.1 किलोमीटर लंबे नेटवर्क को विकसित किया जा रहा है। इसके पहले चरण में पूनमल्ली से वडापलानी तक 14.6 किलोमीटर का हिस्सा तैयार किया गया है, जिसे रेलवे सुरक्षा संबंधी मंजूरी भी मिल चुकी है।

10 से 40 रुपये तक रहेगा किराया

यात्रियों की सुविधा के लिए मेट्रो का न्यूनतम किराया 10 रुपये और अधिकतम किराया 40 रुपये निर्धारित किया गया है। पूनमल्ली बाईपास से वडापलानी तक यात्रा के लिए 40 रुपये, पूनमल्ली बाईपास से



पोरु जंक्शन तक 30 रुपये और पोरु जंक्शन से वडापलानी तक 30 रुपये किराया तय किया गया है। वहीं, पूनमल्ली से कड्डुपक्कम तक 20 रुपये तथा पूनमल्ली मेट्रो से पूनमल्ली बस स्टैंड तक 10 रुपये किराया निर्धारित किया गया है।

13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं पर जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमिलनाडु में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास



परियोजनाओं के उद्घाटन कार्यक्रमों में शामिल होने चेन्नई पहुंचे। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री विजय ने उनका स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल, मंत्रियों और अधिकारियों की मौजूदगी भी रही।

मुख्यमंत्री विजय के साथ मेट्रो में सफर कर प्रधानमंत्री ने लिया परियोजना का जायजा, 11 स्टेशनों पर शुरू होगी सेवा; 10 से 40 रुपये तक होगा किराया

तमिलनाडु के इंफ्रास्ट्रक्चर को नई ताकत देने के लिए 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

11 स्टेशनों पर मिलेगी मेट्रो सेवा

शुरुआती संचालन में मेट्रो ट्रेन 11 स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें पूनमल्ली बाईपास, पूनमल्ली, मुल्लैथोडम, करायंसावादी, कुमानंसावादी, कड्डुपक्कम, अय्यप्पनथंगल, तेलियारकरम, पोरु बाईपास, पोरु जंक्शन और वडापलानी शामिल हैं। निर्माण कार्य पूरा नहीं होने के कारण छह स्टेशनों पर फिलहाल ट्रेन नहीं रुकेगी। इनमें अलपक्कम, करमबक्कम, वलसरवक्कम, अलवर थिरुनगर, सालिग्रामम वेयरहाउस और सालिग्रामम शामिल हैं। इन स्टेशनों पर सेवाएं निर्माण कार्य पूरा होने के बाद शुरू की जा सकेंगी।

कनेक्टिविटी को मिलेगी मजबूती: पूनमल्ली-वडापलानी मेट्रो सेवा चेन्नई के सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे यात्रियों को वैकल्पिक परिवहन सुविधा मिलेगी और शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

आतंकवाद की आड़ में सत्ता का खेल! खैबर पख्तूनख्वा में इमरजेंसी से पाकिस्तान में सियासी भूचाल



● राजस्थान दर्शन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आतंकवाद के बढ़ते खतरे के बीच अब सियासी टकराव भी तेज हो गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की संघीय सरकार ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था और प्रांतीय सरकार की कथित नाकामी का हवाला देते हुए आपातकाल और गवर्नर शासन लागू करने का कदम उठाया है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की मंजूरी के बाद यह फैसला पाकिस्तान की राजनीति में नए विवाद का केंद्र बन गया है। आतंकवाद पर नियंत्रण के लिए उठाए गए इस कदम को जहां केंद्र सरकार सुरक्षा की मजबूरी बता रही है, वहीं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इसे राजनीतिक कदम करार देते हुए विरोध का मोर्चा खोल दिया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह फैसला पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 232 और 234 के तहत का लिया गया है। संघीय सरकार का आरोप है कि खैबर पख्तूनख्वा में लगातार बढ़ रही आतंकवादी गतिविधियों पर प्रांतीय सरकार प्रभावी नियंत्रण स्थापित नहीं कर पा रही है। गौरतलब है कि इस प्रांत में पीटीआई की सरकार है। ऐसे में केंद्र के इस फैसले ने सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ संघीय ढांचे और प्रांतीय स्वायत्तता को लेकर भी बहस छेड़ दी है। पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान ने आपातकाल लागू करने के फैसले को बड़ी राजनीतिक भूल बताते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का इस्तेमाल राजनीतिक हित साधने या जनता की आवाज दबाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। पार्टी का कहना है कि आतंकवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय एकता, सामूहिक रणनीति और सभी सरकारों के बीच समन्वय जरूरी है। पीटीआई ने इस कदम को प्रांत की संवैधानिक शक्तियों को कमजोर करने की कोशिश के रूप में भी पेश किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई संघीय कैबिनेट की बैठक में प्रांत की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, बैठक में प्रांतीय सरकार पर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई से पीछे हटने का आरोप लगाया गया। इसके बाद राष्ट्रपति को संवैधानिक अधिकारों के तहत कार्रवाई की सलाह देने का निर्णय लिया गया। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि प्रांत के लोग अशांति के बजाय शांति, स्थिरता, विकास और समृद्धि चाहते हैं।

रियाद एयरपोर्ट पर हमले से मचा हड़कंप, 300 से अधिक घायल

● राजस्थान दर्शन

रियाद/नई दिल्ली। सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में 12 लोगों की मौत और 300 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों में 11 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। भारतीय दूतावास ने रविवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वह घायलों की स्थिति जानने के लिए स्थानीय प्रशासन और अस्पताल अधिकारियों के संपर्क में है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में बताया कि 10 अक्टूबर को हुए हमले के बाद स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। हमले में 11 भारतीयों के घायल होने की जानकारी मिली है। दूतावास के अधिकारी स्थानीय प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन से संपर्क कर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी जुटा रहे हैं। दूतावास ने कहा कि आगे की जानकारी उपलब्ध होने पर साझा की जाएगी। विदेश मंत्रालय ने रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाकर किए जा रहे लगातार हमलों की निंदा की है। मंत्रालय ने 10 अक्टूबर को हुए हमले का उल्लेख करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदन व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। भारत ने स्पष्ट किया कि किए जाने वाले हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें तत्काल रोकना चाहिए।



जाएगी। विदेश मंत्रालय ने रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाकर किए जा रहे लगातार हमलों की निंदा की है। मंत्रालय ने 10 अक्टूबर को हुए हमले का उल्लेख करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदन व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। भारत ने स्पष्ट किया कि किए जाने वाले हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें तत्काल रोकना चाहिए।

गोगुंदा में ब्रह्माकुमारीज के नवनिर्मित सेवा केंद्र का भूमिपूजन विश्व शांति और आत्म परिवर्तन का दिया संदेश ‘एक ईश्वर, एक विश्व परिवार’ की भावना के साथ आयोजित हुआ समारोह, सेवा, प्रेम, सद्भावना और पवित्रता को बताया जीवन का आधार



राजस्थान दर्शन

गोगुंदा । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ओर से रविवार को गोगुंदा क्षेत्र में नवनिर्मित सेवा केंद्र के भूमिपूजन समारोह का आयोजन किया गया। नेशनल हाईवे-27 स्थित अमृत श्री पैराडाइस, तहसील गोगुंदा में आयोजित समारोह में आध्यात्मिक मूल्यां, आत्म परिवर्तन और विश्व शांति का संदेश दिया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य लोगों में आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाने के साथ प्रेम, शांति, एकता, पवित्रता और सद्भावना की भावना को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम की थीम 'आत्मा की शुद्धि से ही विश्व की शांति' तथा 'एक ईश्वर, एक विश्व परिवार, स्वच्छ मन-सुखी संसार' के संदेश पर केंद्रित रही। आयोजकों के अनुसार, ब्रह्माकुमारीज का यह सेवा केंद्र आध्यात्मिक ज्ञान, सकारात्मक विचारों और नैतिक मूल्यां के प्रसार का माध्यम बनेगा। संस्था का मानना है कि विश्व में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए सबसे पहले व्यक्ति को अपने विचारों और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना आवश्यक है। आत्म परिवर्तन के माध्यम से ही परिवार और समाज में सुख, शांति और सद्भाव का वातावरण निर्मित किया जा सकता है। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी के चौके रीटा बहन एवं बौके रश्मि बहन रही। आयोजकों ने कहा कि सेवा, सहयोग और सद्भावना ही संस्था की पहचान है। नवनिर्मित सेवा केंद्र के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना और विश्व बंधुत्व की भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। समारोह के माध्यम से सभी को बेहतर विश्व के निर्माण में सहभागी बनने तथा शांति, प्रेम और एकता के मूल्यां को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया।

खराणा गांव से श्री खोले के हनुमान जी महाराज की 56 वीं ध्वज पदयात्रा रवाना।

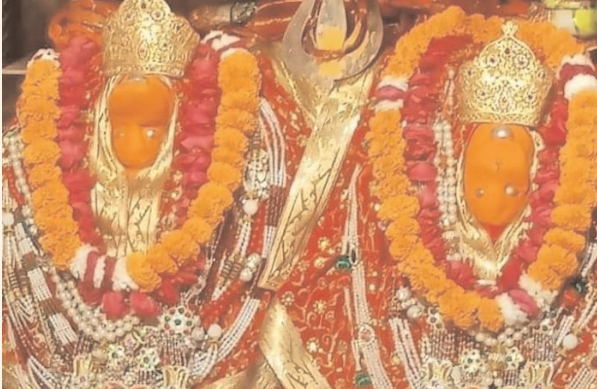


राजस्थान दर्शन

जमवारामगढ़ । (रतनलालगुर्जर)श्री खोले के हनुमान जी महाराज की 56 वीं ध्वजद्वय यात्रा शनिवार दिनांक 10 अक्टूबर 2026 को सुबह 7 बजे महामाता आनंदेश्वरी मंदिर प्रांगण से ध्वजा पूजन के साथ रवाना होकर श्री श्री 1008 श्री शेष जी महाराज से होते हुए ग्राम खराणा से रवाना होकर सांय 8 बजे श्री खोले के हनुमान जी मंदिर प्रांगण में पहुंची। शोभा यात्रा को रामसुख एवं मोहनलाल देराता द्वारा श्री रोड़ा नदी हनुमान जी मंदिर प्रांगण में फंगत प्रसादी करवाई गई।इस शुभ अवसर पर पूर्व विधायक के बड़े भाई लालराम मीणा व उनके साथियों द्वारा एवं ग्राम पंचायत खरकड़ा प्रसाशक सुनीता देवी द्वारा हनुमान जी महाराज की आरती कर दर्शन लाभ प्राप्त कर ध्वज पदयात्रा को विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर रवाना किया। इस शुभ अवसर पर गणपत लाल प्रजापत,बजरंग शर्मा छीतरमल प्रजापत, घासी,रामगोपाल वरुण हिरावाला,राजू प्रजापत,कानाराम, रामसिंह,राममोहन सैनी,सरदार सिंह,पप्पू सैनी, राहुल,अशोक सैनी, ब्रजेश प्रजापत,विकाश कुमावत,महेश जांशिड़,नरसी गुर्जर,आचार्य मोहन लाल शर्मा एवं समस्त ग्रामवासी एवं भक्तगण शोभा यात्रा में पहुंचे।

माँ शाकम्भरी सेवा समिति, सकरायधाम (रजि.) के तत्त्वावधान में आश्विन नवरात्र महोत्सव शुरु

सिद्धपीठ सकरायधाम में धार्मिक अनुष्ठानों की धूम, शतचंडी पाठ में जुट रहे श्रद्धालु; देश-विदेश से जात-जड़ूला के लिए पहुंच रहे भक्त



राजस्थान दर्शन

उदयपुरवादी निकटवर्ती सकरायधाम सिद्धपीठ सकरायधाम स्थित माँ शाकम्भरी के पवित्र दरबार में आश्विन नवरात्र महोत्सव का शुभारंभ हो गया है। माँ शाकम्भरी सेवा समिति, सकरायधाम (रजि.) के तत्त्वावधान में आयोजित इस नौ दिवसीय महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना एवं विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नवरात्र के आगमन के साथ ही पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो उठा है। मंदिर को आकर्षक सजावट एवं रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। समिति अध्यक्ष ऋराजेश धानुका (अहमदाबाद) एवं महासचिव सुभाष अग्रवाल (सुरत) ने बताया कि आश्विन नवरात्र महोत्सव 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 होगा, जिसमें 19 अक्टूबर को मैया के दरबार में महाष्टमी और 20 अक्टूबर को महानवमी का आयोजन होगा। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन माँ शाकम्भरी के दरबार का अलौकिक पुष्पों से मनमोहक श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर में नियमित रूप से दुर्गा सप्तशती का पाठ होगा तथा माँ को प्रतिदिन शीरा-पूड़ी एवं फलों का भोग अर्पित किया जाएगा। श्रद्धालु माँ के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं मंगलकामना के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। मंदिर के मुख्य द्वार को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया है। रात्रि के समय रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाता मंदिर परिसर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान कर रहा है। नवरात्र के अवसर पर सकरायधाम में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने लगी है

उदयपुर आस पास

पालतू पशुओं द्वारा फसलें और बीड़ नष्ट करने से निचला थूरिया के किसानों में भारी रोष

बावलवाड़ा थाने में शिकायत के बाद भी पशुपालकों को नहीं किया गया पाबंद; ग्रामीणों ने जताई गहरी नाराजगी

राजस्थान दर्शन

बावलवाड़ा (खेरवाड़ा)। खेरवाड़ा तहसील की ग्राम पंचायत बरौटी बा. के ग्राम निचला थूरिया में पड़ोसी गांव डो हला काड़ी के कुछ पशुपालकों द्वारा पकी फसलों और बीड़ की घास को पालतू पशुओं से खुलेआम नष्ट करवाए जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय किसानों द्वारा बावलवाड़ा पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने के बावजूद पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ

झाड़ोल क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि की धूम, मंदिरों में गूंजे माता के जयकारे

आवरड़ा के चामुंडा माता मंदिर में शाम 4 बजे हुई घट स्थापना, विशेष श्रृंगार कर की गई पूजा-अर्चना

राजस्थान दर्शन

झाड़ोल। उपखंड क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में रविवार को शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ बड़े हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ हुआ। क्षेत्र के विभिन्न गांवों के मंदिरों और देवस्थलों में विधि-विधान से घट स्थापना की गई। इस दौरान माता के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे और श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। झाड़ोल के आकरड़ा स्थित प्रसिद्ध चामुंडा माता मंदिर में रविवार शाम 4 बजे घट स्थापना की गई। इस अवसर पर माता रानी का विशेष श्रृंगार किया गया और विधिवत पूजा-अर्चना की गई और सैकड़ों श्रद्धालुओं ने माता चामुंडा का

विश्व बालिका दिवस पर जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक और पौधारोपण

माकड़ादेव में बालिकाओं ने निकाली जागरूकता रैली, बागपुरा थानाधिकारी गोपाल सिंह मीणा ने दी कानूनी जानकारी

राजस्थान दर्शन

झाड़ोल। शनिवार को विश्व बालिका दिवस के अवसर पर प्लान इंडिया बालिका शिविर परियोजना के तहत ग्राम पंचायत माकड़ादेव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माकड़ादेव, खाखड़, अदकालिया और कोल्त्यारी क्षेत्र की 50 बालिकाओं, उनके परिजनों, सेंटर टीचर्स तथा परियोजना टीम ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत बालिकाओं ने बालिका शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रैली निकाली। इसके साथ ही नुक्कड़ नाटक और नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से बालिका शिक्षा, महिला सुरक्षा, समानता और बालिकाओं के अधिकारों का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को बागपुरा थाना परिसर का भ्रमण भी करवाया गया। थानाधिकारी गोपाल सिंह

गोगुंदा में शारदीय नवरात्रि की धूम, मंदिरों में घट स्थापना के साथ मां की आराधना शुरू

राजस्थान दर्शन

गोगुंदा। शारदीय नवरात्रि पर्व को लेकर गोगुंदा करबे सहित आसपास के गांवों में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है। नवरात्रि के शुभारंभ पर क्षेत्र के विभिन्न देवी मंदिरों में पंडितों द्वारा विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर घट स्थापना की गई। सुबह से ही श्रद्धालु मंदिरों में पहुंचकर माता के दर्शन कर रहे हैं और सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं। नवरात्रि के अवसर पर जसवंतगढ़ स्थित घटेश्वरी माता मंदिर, नदिशमा के चामुंडा माता मंदिर, गोगुंदा बस स्टैंड स्थित आवरा माता मंदिर, मजावड़ी स्थित कालिका माता



पाठ नवरात्रि के दसों दिन तक जारी रहेगा। इसके साथ ही नवरात्रि पर्व को लेकर क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में आकर्षक विद्युत सजावट की गई है, जिससे मंदिरों की रौनक बढ़ गई है। पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह और भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

102 वर्ष की आयु में भी आत्मनिर्भरता की मिसाल हैं जशोदा बाँ मेहता

इश्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज ने पगड़ी, शाल एवं श्रीफल भेंट कर किया सम्मानितदृ

राजस्थान दर्शन

खेरवाड़ा। श्री त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण समाज खड़क क्षेत्र जवास की ओर से समाज के शतायु वरिष्ठजनों के सम्मान एवं अभिनंदन की प्रेरणादायी पहल निरंतर जारी है। इसी क्रम में रविवार को शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन समाज के अध्यक्ष हरिश पानेरी के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों एवं गणमान्यजनों ने झूपरी निवासी आदरणीया जशोदा बाँ मेहता, धर्मपत्नी श्री पुरुषोत्तम मेहता के निवास पर



ठोस कदम न उठाने और उन्हें पाबंद न करने से ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। कम बारिश के बीच दोहरी मार झेल रहे किसान ग्रामीणों के अनुसार, इस वर्ष क्षेत्र में नाममात्र की बारिश होने के कारण फसलें और बीड़ की घास पहले ही बेहद कम हुई है। किसान किसी तरह अपनी

बची-कुची पकी फसल और मवेशियों के चारे को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। इसके बावजूद पड़ोसी गांव डो हला काड़ी के कुछ असामाजिक तत्व जानबूझकर अपने पालतू पशुओं को निचला थूरिया के खेतों और बीड़ में चराने के लिए छोड़ रहे हैं, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत और

कुमारवास पुलिया दुरुस्त होने से आमजन को मिली बड़ी राहत

छह माह से अधिक समय से आवागमन में हो रही थी परेशानी, वाहन चालकों, विद्यार्थियों और किसानों को मिलेगी सुविधा

राजस्थान दर्शन

ओगणा। कुमारवास नदी पर लंबे समय से क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत होने से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली है। करीब छह माह से अधिक समय से पुलिया क्षतिग्रस्त होने के कारण ओगणा से पानरवा मार्ग पर आवागमन करने वाले वाहन चालकों, नौकरपेशा लोगों, विद्यार्थियों और किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पुलिया क्षतिग्रस्त होने से लोगों को मजबूरी में नदी से होकर गुजरना पड़ता था। समस्या को लेकर समाचार पत्रों के माध्यम से लगातार आवाज उठाई जा रही थी। वहीं, स्थानीय जनप्रतिनिधि भी जिम्मेदार लोगों का ध्यान इस ओर आकर्षित कर रहे थे। इसी क्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि महावीर पुर्विया ने पूर्व



देहात जिला अध्यक्ष भंवर सिंह पंवार को कुमारवास पुलिया की समस्या से अवगत करवाया। समस्या की जानकारी मिलने के बाद पुलिया की मरम्मत करवाने की पहल की गई, जिसके बाद क्षतिग्रस्त पुलिया को दुरुस्त करवाया गया। अब ओगणा से पानरवा मार्ग पर आवागमन करने वाले लोगों को राहत मिलेगी और नदी से होकर गुजरने की मजबूरी से भी छुटकारा मिलेगा। पुलिया की मरम्मत होने पर ग्रामीणों ने राहत जताई। साथ ही उम्मीद व्यक्त की कि क्षेत्र की अन्य जनसमस्याओं का भी इसी तरह प्राथमिकता से समाधान किया जाएगा।

स्टैनफोर्ड और एल्सेवियर की प्रतिष्ठित सूची में शामिल हुए डॉ. हिरण, उदयपुर का बढ़ाया गौरव

विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में मिली जगह, शोध एवं अकादमिक योगदान को मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। सर पदमसिंह सिंघानिया विश्वविद्यालय, उदयपुर के एसोसिएट प्रोफेसर एवं बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्रमुख डॉ. कमल कांत हिरण को विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल किया गया है। अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और नौदरलैंड की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रकाशन संस्था एल्सेवियर के सहयोग से तैयार इस सूची में स्थान मिलने से विश्वविद्यालय सहित उदयपुर शहर का गौरव बढ़ा है।

डॉ. हिरण को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्लाउड कंप्यूटिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय शोध योगदान के लिए यह अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। यह सूची वैज्ञानिकों के शोध प्रकाशनों, उद्धरणों तथा उनके शोध के अकादमिक प्रभाव के आधार पर तैयार की जाती है। इसमें स्थान प्राप्त करना शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जाता है। माता-पिता के आशीर्वाद और पत्नी के सहयोग को दिया श्रेय

राजस्थान दर्शन

दांतरामगढ़ (सीकर)। विश्व गठिया दिवस के अवसर पर सोमवार को दोपहर 12 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खाचरियावास में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में आमजन को गठिया रोगों के लक्षण, समय पर पहचान, उपचार और बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी। इस वर्ष की थीम अचीव योर्स ड्रीम (अपने सपनों को साकार करें) है। कार्यक्रम में



अपनी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ. हिरण ने इसका श्रेय अपने माता-पिता स्वर्गीय शंभू सिंह एवं निर्मला देवी के आशीर्वाद, संस्कारों और जीवन में मिले मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने अपनी पत्नी डॉ. रंजि के निरंतर सहयोग, प्रेरणा और मार्गदर्शन को भी अपनी शैक्षणिक एवं शोध यात्रा का महत्वपूर्ण आधार बताया। डॉ. हिरण की इस उपलब्धि से उनके परिवार, विश्वविद्यालय और उदयपुर में हर्ष का माहौल है। यह सफलता न केवल उनके व्यक्तिगत शोध योगदान को रेखांकित करती है, बल्कि विश्वविद्यालय में अनुसंधान, नवाचार एवं अकादमिक उत्कृष्टता को भी नई पहचान प्रदान करती है। 21 वर्षों का अंतरराष्ट्रीय अनुभव डॉ. हिरण ने पिछले 21 वर्षों में एशिया, अफ्रीका और यूरोप में शिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में कार्य किया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 41 पुस्तकों का प्रकाशन तथा 155 शोध-पत्रों का प्रकाशन किया है। उनके शोध एवं शैक्षणिक कार्यों ने सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी यह उपलब्धि विद्यार्थियों, युवा शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के लिए प्रेरणास्रोत है। यह सफलता निरंतर परिश्रम, शोध के प्रति समर्पण और ज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने की प्रेरणा देती है।

विश्व गठिया दिवस पर सीएचसी खाचरियावास में जागरूकता कार्यक्रम आज

राजस्थान दर्शन

एमडी मेडिसिन डॉ. किशन मेहरड़ा एवं फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सुरेश यादव ऑस्टियोआर्थराइटिस और रुमेटॉइड आर्थराइटिस सहित विभिन्न गठिया रोगों के लक्षणों, उपचार और बचाव के बारे में जानकारी देंगे। साथ ही, रोगों की शुरुआती पहचान और समय पर उपचार के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। सीएचसी प्रभारी डॉ. सुनील धायल ने आमजन से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त करें और इसका लाभ उठाएं।

अपने जीवन के 102 गौ वशाली वर्ष पूर्ण कर चुकी हैं। इस आयु में भी अपनी दैनिक दिनचर्या स्वयं संपादित करना उनकी सक्रियता, आत्मनिर्भरता एवं जीवतता का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनका जीवन परिवार और समाज के लिए अनुभव, संस्कार तथा प्रेरणा की अमूल्य धरोहर है। समाज की इस सम्मान परंपरा के अंतर्गत गत माह आदरणीय स्वर्गीय तुलसीराम जी मेहता एवं आदरणीया सूरज देवी व्यास का भी सम्मान कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई थी। त्रिमेस प्रवक्ता जयेश व्यास ने बताया कि समाज का यह अभियान वरिष्ठजनों के प्रति आदर, कृतज्ञता एवं सम्मान की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है, ताकि भावी पीढ़ियां उनके जीवनानुभवों और संस्कारों से

गांव के पुरुषों को महिलाओं के साथ अभद्रता करने के झूठे आरोपों में फंसाने तथा एससी/एसटी एक्ट में केस दर्ज कराने की खुलेआम धमकियां देते हैं। खेत या बीड़ जाने वाली महिलाओं के साथ लगातार हो रहे इस अभद्र व्यवहार से पूरे गांव में भय का माहौल बना हुआ है।

राजस्थान दर्शन

नाडोल पुलिस की त्वरित कार्रवाई, 12 घंटे में चोरी का सामान बरामद

सोने की कंठी, मोबाइल और 5 हजार रुपए लौटाए, पीड़िता के चेहरे पर लौटी मुस्कान



राजस्थान दर्शन

रानी।समीपवर्ती ग्राम नाडोल ग्राम में पर्स गुम होने के बाद सोने की कंठी, मोबाइल फोन और नकदी लेकर जाने वाले व्यक्ति तक पहुंचने में नाडोल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर पर्स बरामद कर उसमें रखी करीब तीन तोला सोने की कंठी, मोबाइल फोन और 5 हजार रुपए पीड़िता दिव्या चौधरी को वापस लौटा दिए।जानकारी के अनुसार, 9 सितंबर की शाम करीब 8 बजे नाडोल निवासी मोहनलाल चौधरी की पुत्री दिव्या चौधरी अपनी सहेली के साथ बस स्टैंड पर पानी-पुरी खाने आई थीं। इसके बाद घर लौटते समय उसके हाथ में रखा पर्स नीचे गिर गया। पर्स में करीब तीन तोला सोने की कंठी, एक मोबाइल फोन और 5 हजार रुपए नकद रखे हुए थे। पर्स किसी अज्ञात व्यक्ति के हाथ लग गया, जो उसे लेकर चला गया।घटना की सूचना मिलने पर सहायक उप निरीक्षक परिवंदर सिंह, कांस्टेबल गणेशलाल और पुलिस मित्र कैलाश प्रजापत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले तथा टोल नाकों पर भी जांच की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने 12 घंटे के भीतर पर्स बरामद कर उसमें रखा सामान दिव्या चौधरी को सुपुर्द कर दिया।पर्स में रखी कीमती सोने की कंठी, मोबाइल और नकदी वापस मिलने से दिव्या चौधरी को बड़ी राहत मिली। इस कार्रवाई से नाडोल पुलिस की तत्परता सामने आई।

कंसारों का बास मठ परिसर में नौ दिवसीय डांडिया महोत्सव का आगाज

घट स्थापना के साथ हुई भव्य महाआरती, मां हिंगलाज का किया आकर्षक शृंगार



राजस्थान दर्शन

रोहट। कस्बे के कंसारों का बास स्थित मठ परिसर में जय अम्बे गरबा मंडल के तत्वावधान में नौ दिवसीय डांडिया महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजन से क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। महोत्सव के तहत विधि-विधान से घट स्थापना की गई। इसके पश्चात मां हिंगलाज का आकर्षक शृंगार कर भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। महाआरती में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता रानी के जयकारे लगाए और सुख-समृद्धि की कामना की। नौ दिवसीय डांडिया महोत्सव के दौरान श्रद्धालु माता की आराधना के साथ डांडिया नृत्य में भाग लेकर नवरात्रि पर्व को उन्हाहपूर्वक मना रहे हैं। इस अवसर पर जय अम्बे गरबा मंडल के भरत सिंह खोखर, हिमांशु सोनी, नमन कंसारा, मूलाराम सुथार सहित मंडल के सदस्य एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

आतिशी नजारों के साथ गंगा आरती



राजस्थान दर्शन

उदयपुर। श्री बजरंग बली प्रचार समिति, उदयपुर के तत्वावधान में शनिवार को भीम परमेश्वर घाट, जोधसिंह जी दायजी पुलिया, चांदपोल बाहर पर विशाल पिछोला जल पूजन (गंगा पूजन) का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। आयोजन में धार्मिक अनुष्ठान, सुंदरकांड पाठ, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सामूहिक महाआरती सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री बजरंग बली प्रचार समिति व्यवस्थापक प. पन्न सुखवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 5 बजे सुंदरकांड पाठ के साथ हुआ। श्री बजरंग बली प्रचार समिति की ओर से दुष्यंत कुमावत, महेश श्रीमाली एवं मधुसूदन सुखवाल के सान्निध्य में सुंदरकांड पाठ किया गया। इसके पश्चात गिरधर विद्या विहार स्कूल के छात्र-छात्राओं ने झील पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। आयोजन के दौरान विभिन्न संस्थाओं के विद्यार्थियों, धर्मप्रेमी बंधुओं एवं श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पिछोला झील का पूजन किया। इसके बाद समस्त आगंतुकों की सहभागिता से महाआरती आयोजित की गई। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ आरती में भाग लेकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान आतिशबाजी भी आकर्षण का केंद्र रही।

ईडाणा माताजी धाम में शारदीय नवरात्र महोत्सव की धूम: शतचंडी महायज्ञ और भजन संध्या से गुंजा परिसर, कल होगी आंजना माता जी की प्राण प्रतिष्ठा

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री ईडाणा माताजी मंदिर परिसर में शारदीय नवरात्र महोत्सव पूरी भव्यता और धार्मिक उत्थास के साथ शुरू हो गया है। नवरात्र के पहले दिन घट स्थापना के साथ ही गणपति, मातृका, वास्तु, योगिनी, क्षेत्रपाल एवं समस्त देवी-देवताओं का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन और आह्वान किया गया। इसके बाद विधि-विधान से हवन, ज्वारा रोपण और अग्नि स्थापन संपन्न हुआ, जिसके साथ ही विश्व कल्याण की कामना को लेकर श्री शतचंडी महायज्ञ का भी शुभारंभ हो गया। आचार्य अंबालाल शर्मा के सान्निध्य में शुरू हुए इस शतचंडी महायज्ञ में यज्ञ मंडप वेदों की कचाओं और आहुतियों से गुंजायमान हो उठा है। महोत्सव के तहत श्री ईडाणा माताजी का विशेष बालिका



(कन्या) रूपेण मनोहारी शृंगार किया गया, जिसके दर्शन के लिए दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भजन संध्या और गंगा आरती ने मोहा मन शनिवार की रात आयोजित भव्य भजन संध्या में दिल्ली से आए रिया ग्रुप के



कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान प्रस्तुत की गई आकर्षक जीवंत झांकियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। वहीं, रविवार को गायत्री धाम के बटुकों द्वारा भी भगवती के दरबार में विशाल



तत्वावधान में आयोजित 'हम भारत के लोग' विषयक संगोष्ठी में मुख्य वक्ता सविधानविद जसवंत खत्री ने कहा कि लोकमंथन यात्रा केवल यात्रा नहीं, बल्कि लोकजीवन और लोक परंपराओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है। भारत की वास्तविक शक्ति उसकी विविध लोक परंपराओं, संस्कृति और सामाजिक सहभागिता में निहित है। गांवों में पीढ़ियों से चली आ रही कलाओं, खेलों और जीवन मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सविधान की प्रस्तावना में वर्णित 'हम भारत के लोग' केवल शब्द नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी और जिम्मेदारी का प्रतीक है। देश की रिसोर्सेज डेवलपमेंट फाउंडेशन के संयुक्त

पुरोहितों की मादड़ी में औदिच्य समाज का नौ दिवसीय सामूहिक गरबा महोत्सव शुरु

अभिजित मुहूर्त में घट स्थापना के साथ नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रि उत्सव का आगाज

समाजजनों ने माताजी की प्रतिमा की जगह तस्वीर की स्थापना की

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। धार्मिक उल्लास और भक्ति भावना के बीच सोमवार को घट स्थापना के साथ नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ हुआ। श्री लक्ष्मीनारायण युवा परिषद एवं परशुराम गरबा मंडल की ओर से पुरोहितों की मादड़ी स्थित दुदाजी का देवरा मंदिर प्रांगण में औदिच्य समाज के सामूहिक गरबा उत्सव की शुरुआत विधि-विधान पूर्वक संपन्न हुई। संस्थापक हीरालाल गोकलावत व अध्यक्ष जितेन्द्र गोन्दावत ने बताया कि दोपहर 2.15 बजे मंगल कलश स्थापना के साथ पंडित गणेश लाल महाराज वाटेड़ा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्य यजमान हीरालाल गोकलावत परिवार द्वारा घट स्थापना कराई गई। संगठन के सभी पदाधिकारियों ने इस वर्ष माताजी की प्रतिमा की जगह तस्वीर की स्थापना की। साथ ही 21 कुण्डों में ज्वारा का रोपण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएँ पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित रहीं और दुर्गा माता की आराधना की। परशुराम गरबा मण्डल के भोणजी गणेशलाल ईडाणा ने बताया कि नवरात्र महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन विशेष पूजा-अर्चना, गरबा नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि समस्त औदिच्य समाज जन गरबा महोत्सव में भाग लेंगे। सांस्कृतिक मंत्री हितेश व्यास ने बताया कि हर दिन

प्रथम ईसीसीई बाल मेला- पीएम श्री और महात्मा गांधी स्कूलों में सजेगी बचपन की रंगीन महफिल

12 से 14 अक्टूबर तक होंगे एक दिवसीय आयोजन

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं के तहत उदयपुर एवं नवगठित सलुंबर जिले के पीएम श्री और महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों की बालवाटिकाओं में 'प्रथम ईसीसीई बाल मेला' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के अनुसरण में एडीपीसी समग्र शिक्षा उदयपुर की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, यह एक दिवसीय मेला 12 से 14 अक्टूबर, 2026 के मध्य संबंधित विद्यालयों के स्तर पर आयोजित होगा। इस मेले का मुख्य उद्देश्य खेल-खेल में और 'करके सीखने' (लर्निंग बाय डूइंग) की पद्धति से बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। मेले के दौरान स्कूलों में बच्चों के शारीरिक, मानसिक, भाषायी व सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष और



आकर्षक स्टॉल्ल्स लगाए जाएंगे। इसके तहत संज्ञानात्मक विकास हेतु बने स्टॉल पर बच्चे पहिलियाँ मुलझाना, विभिन्न रंग-रूप पहचानना और 'क्या डूबेगा-क्या तैरेगा' जैसे व्यावहारिक व वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे।वहीं बच्चों की रचनात्मकता को निखारने के लिए मिट्टी के खिलौने बनाना, धंध व ठप्पा पेंटिंग, कोलाज किंगिंग और फ्री-हैंड पेंटिंग की गतिविधियां होंगी।



गंगा आरती उतारी गई, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने दीप जलाकर महाआरती का लाभ लिया। दुल्हन की तरह सजा मंदिर परिसर, कल प्राण प्रतिष्ठा शारदीय नवरात्र के पावन पर्व पर पूरे माताजी मंदिर परिसर को आकर्षक और रंग-बिरंगी विद्युत

सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

सीटीईई में सांस्कृतिक संध्या, पन्नाधार के गीतों ने किया भावुक

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सीटीईई परिसर में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में भवाई लोकनृत्य, दिवेर युद्ध, पन्नाधार के अद्वितीय बलिदान, स्वत्वबोध और लोकदर्शन पर आधारित प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर किया। लोकगीतों और पारंपरिक नृत्यों के माध्यम से मेवाड़ की वीरता, त्याग और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया गया। यात्रा संयोजक डॉ. सत्यनारायण कुमावत ने

कहा कि लोकमंथन का उद्देश्य भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना को जागृत करना और लोकजीवन के विविध पहलुओं के माध्यम से लोगों को आपस में जोड़ना है। यात्रा के माध्यम से 'हम भारत के लोग' की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है।

भुवाणा से मीरा महाविद्यालय तक हुआ स्वागत उदयपुर शहर में प्रवेश पर भुवाणा चौराहे पर नगरवासियों ने थाली, मादल और ढोलक की थाप के बीच यात्रा का स्वागत किया। इसके बाद मीरा कन्या महाविद्यालय में विद्वज्जनों ने यात्रा का अभिनंदन किया। परिसर में अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ और संस्कार भारती की ओर से राजस्थानी संस्कृति एवं लोक परंपराओं पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई।

कहीं, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय परिसर में स्वागत के दौरान कुलगुरु प्रो. कैलाश डागा सहित अतिथियों ने यात्रा संयोजक डॉ. सत्यनारायण कुमावत, जसवंत खत्री और अन्य सदस्यों का उपरना पहनाकर अभिनंदन किया। विज्ञान भारती की ओर से आयुर्वेद, राजस्थानी लोकनृत्य और मेवाड़ की जल संरक्षण परंपराओं से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई। पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, लोक परंपराओं, विदेशी बाजार और स्त्री शिक्षा जैसे विषयों पर

उदयपुर के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.के. कौशिक ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दिया प्रतिष्ठित स्मृति व्याख्यान

इंडियन एकेडमी ऑफ इकोकार्डियोग्राफी ने नटेसा जी. पांडियन मेमोरियल ऑरेशन के लिए किया सम्मानित

उदयपुर। उदयपुर के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.के. कौशिक ने चिकित्सा जगत में शहर का गौरव बढ़ाया है। उन्हें इंडियन एकेडमी ऑफ इकोकार्डियोग्राफी (इह्‌ध) की 30वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस 'धध्‌ध्‌थ ह्य़ड्डु / 'धध्‌ध्‌थ ह्‌ड्ड्सड्डु 2026 में प्रतिष्ठित नटेसा जी. पांडियन मेमोरियल ऑरेशन प्रस्तुत करने के लिए सम्मानित किया गया। 8 से 11 अक्टूबर 2026 तक दिल्ली-गुरुग्राम में आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश के हृदय रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस अवसर पर इंडियन एकेडमी ऑफ इकोकार्डियोग्राफी की ओर से डॉ. कौशिक को सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. कौशिक एमडी एवं डीएम (कार्डियोलॉजी) की विशेषज्ञ योग्यता के साथ हृदय रोगों के निदान एवं उपचार के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उनकी विशेषज्ञता

युवक-युवतियों ने नुककड़ नाटकों के माध्यम से सामाजिक संदेश दिए। इतिहास संकलन समिति की ओर से जगदीश मंदिर, मोती मगरी, सहेलियों की बाड़ी, बागोर की हवेली और गुलाब बाग सहित विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनियां लगाई गईं।

मजियावड़ी में उमड़े ग्रामीण, 21 अक्टूबर को होगा समापन

मजियावड़ी में लोकमंथन यात्रा पहुंचने पर ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों, तिलक, उपरने और लोकगीतों के साथ भव्य स्वागत किया। यहां पारंपरिक वस्तुओं की प्रदर्शनी के साथ लोकगीतों, लोकनृत्यों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुतियां हुईं। डॉ. कुमावत ने बताया कि यात्रा राजस्थान के 41 जिलों तक पहुंचने वाली है। यात्रा का तृतीय चरण 8 से 21 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। पुष्कर से शुरू हुई यात्रा विभिन्न जिलों और ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरते हुए झालावाड़ जिले के गुराड़ी पहुंचेगी, जहां 21 अक्टूबर को समापन प्रस्तावित है। वहीं, प्रज्ञा प्रवाह की ओर से 4 से 6 दिसंबर तक जयपुर के जवाहर कला केंद्र में राष्ट्रीय लोकमंथन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें देशभर के लोक कलाकार, विचारक और विद्वान भाग लेंगे।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जुड़ाव जरूरी: मिश्रा

राष्ट्रीय हरित कोर योजना के तहत प्रकृति अध्ययन शिविर सम्पन्न

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला मुख्यालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय हरित कोर (नेशनल ग्रीन कोर) योजना के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रकृति अध्ययन शिविर का समापन सर्वधर्म प्रार्थना के साथ हुआ। कार्यक्रम में कमांडर व्‌जेश कुमार मिश्रा, कमांडिंग ऑफिसर मुख्य अतिथि तथा शैलेन्द्र सिंह (एचए- 3) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सीओ स्काउट सुनील कुमार सोनी ने शिविर के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य स्काउट्स एवं गाइड्स में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना, प्रकृति के साथ जुड़ाव स्थापित करना तथा जैव विविधता के संरक्षण का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। ऐसे शिविर विद्यार्थियों एवं युवाओं को प्रकृति के महत्व को समझने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्य अतिथि कमांडर व्‌जेश कुमार मिश्रा ने कहा कि उदयपुर प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध क्षेत्र है तथा इनका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स बच्चों और युवाओं में अनुशासन, सेवा, संस्कार तथा सामाजिक



उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने वाला है। उन्होंने सभी से स्वरूढ़ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा पौधारोपण के साथ पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। हाइक एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रकृति का अध्ययन जिला प्रशिक्षण आयुक्त अंजना शर्मा ने बताया कि शिविर के दौरान जल, जंगल एवं जमीन के महत्व, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली, जैव विविधता, औषधीय पौधों की पहचान, स्वरूढ़ता, अपशिष्ट प्रबंधन एवं प्राथमिक उपचार सहित विभिन्न विषयों पर गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने ट्रैकिंग, पोस्टर एवं नुककड़ नाटक जैसी गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रकृति अध्ययन के अंतर्गत ड्रामेश्वर महादेव तक हाइक का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को प्राकृतिक परिवेश को नजदीक से जानने और समझने का अवसर मिला। शिविर में सभी संभागियों को नेचर स्टडी किट का वितरण भी किया गया



में जन्मजात हृदय रोग, कोरोनरी धमनी रोग, हार्ट फेलियर तथा हृदय के वाल्व संबंधी रोग शामिल हैं। इकोकार्डियोग्राफी हृदय की संरचना, कार्य,पाली और रक्त प्रवाह का आकलन करने वाली महत्वपूर्ण जांच तकनीक है। हृदय रोगों के सटीक निदान और उपचार की दिशा तय करने में इसकी अहम भूमिका है। ऐसे में इस क्षेत्र के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक मंच पर डॉ. कौशिक को स्मृति व्याख्यान प्रस्तुत करने का अवसर मिलना उल्लेखनीय है। सम्मेलन के अवसर पर डॉ. शान्तनु सेंनगुप्ता, डॉ. हंसा गुप्ता और डॉ. सिम्मी मनोया सहित देश भर के जाने माने विशेषज्ञ मौजूद रहे। डॉ. कौशिक की इस उपलब्धि से उदयपुर के चिकित्सा जगत में प्रसन्नता का माहौल है।



रोशनी से दुल्हन की तरह सजाया गया है, जो रात के समय देखते ही बनती है। मंदिर मंडल के अनुसार, महोत्सव के अगले चरण में मंगलवार को आंजना माता जी की भव्य प्रारण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान संपन्न होगा, जिसमें क्षेत्रभर के

प्रबुद्धजन और श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होंगे। फोटो घटस्थापना में उपस्थित यजमान, श्री ईडाणा माताजी में विशाल गंगा आरती, माता जी का बाल श्रृंगार, रोशनी से सजा दुल्हन सा माता जी का परिसर

हार्दिक पांड्या 33 साल के हुए, जन्मदिन पर प्रशंसकों और साथी खिलाड़ियों ने दी बधाई



बांग्लादेश चैंपियंस के दिये लक्ष्य से हम दबाव में आये : गेल



शारजार (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2026 में वेस्टइंडीज चैंपियंस ने भले ही बांग्लादेश चैंपियंस के खिलाफ रोमांचक मुकाबला जीत लिया हो पर जिस प्रवरस से बांग्लादेश चैंपियंस ने उससे टक्कर दी उससे टीम के स्टार बल्लेबाज क्रिस गेल भी डरे हुए हैं। गेल ने माना है कि बांग्लादेश टीम के प्रदर्शन से वह डर गयी थे। वेस्टइंडीज ने इस मैच में 219 रन का बड़ा लक्ष्य हासिल कर 5 विकेट से यह मैच जीत लिया था पर बांग्लादेश की बेहतरीन बल्लेबाजी से उसके लिए लिए जीत हासिल करना बेदद कठिन हो गया था।

इस मैच में बांग्लादेश चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 219 रन बनाये। उनी नकी तरफ से रोनी तालुकदार और कसान महमुदुल्लह ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, तक पहुंचाया। वॉल्टन ने एक जिससे वेस्टइंडीज के सामने एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा हो गया। यह स्कोर

इतना आसान नहीं था कि वेस्टइंडीज चैंपियंस इसे बिना किसी दबाव के हासिल कर पाते, और इसी वजह से उन्हें एक ठेस और आक्रामक शुरुआत की सख्त जरूरत थी।

इस मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज चैंपियंस को क्रिस गेल और लेंडल सिमंस ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से जोरदार शुरुआत दी। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ कुछ ही ओवरों में 67 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। इसके बाद क्रिस गेल ने अपनी चिर-परिचित अंदाज में खेलते हुए मात्र 25 गेंदों पर 56 रन ठेक डाले, जिसमें 6 छक्के और 4 शानदार चौके शामिल रहे। वहीं, लेंडल सिमंस ने भी 11 गेंदों पर तेजतर्रार 20 रन का योगदान दिया। इस आक्रामक शुरुआत ने वेस्टइंडीज को लक्ष्य के करीब पहुंचने के लिए एक मजबूत नींव प्रदान की।

गेल और सिमंस द्वारा रखी गई नींव का फायदा उठाते हुए, इसके बाद चाडविक वॉल्टन ने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और टीम को जीत शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया, तक पहुंचाया। वॉल्टन ने एक अविस्मरणीय पारी खेलते हुए महज 43 गेंदों पर नाबाद 90 रन बनाए।

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आज 33 साल के हो गये। जन्मदिन पर हार्दिक को प्रशंसकों के साथ ही साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी है। जिन्होंने 33 वर्ष की उम्र तक भारतीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। साल 2016 में वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने के बाद से वह इन दोनों प्रारूपों के नियमित सदस्य रहे हैं। 94 एकदिवसीय मैचों की 68 पारियों में उन्होंने 11 अर्धशतकों की मदद से 1,904 रन बनाए हैं और 91 विकेट अपने नाम किए हैं। वहीं, 138 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 9 अर्धशतकों के साथ 2,288 रन बनाए हैं और 114 विकेट झटके हैं।

उन्होंने जुलाई 2017 में टेस्ट डेब्यू के बाद सितंबर 2018 में अपना आखिरी टेस्ट खेला पर इस छोटे से अंतराल में उन्होंने 11 टेस्ट की 18 पारियों में एक शतक और चार अर्धशतक सहित 532 रन बनाए और 17 विकेट लिए।

हार्दिक ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से भारतीय टीम को से भारत को 17 साल बाद विश्व चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैदान से बाहर के उतार-चढ़ाव और खराब फॉर्म से जूझने के बावजूद, पांड्या ने बड़े टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन से टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनकी तेज गेंदबाजी, विस्फोटक बल्लेबाजी और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण उन्हें सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व

क्रिकेट में भी एक दुर्लभ ऑलराउंडर बनाता है। हार्दिक विश्व कप से पहले वह अपनी फॉर्म और निजी जीवन को लेकर लगातार चर्चा में थे। हालांकि, बड़े मौकों पर उनका प्रदर्शन हमेशा बेहतर होता है, और यह विश्व कप इसका सटीक उदाहरण रहा। वर्तमान में, वह मुंबई इंडियंस के कप्तान हैं। पांड्या की यह बहुमुखी प्रतिभा और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता उन्हें आगामी चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप 2026 जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भारत के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी बनाती है। फिलहाल, वह चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं।

हसन महमूद टेस्ट में हैट्रिक लगाने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बने

अबू धाबी (एजेंसी)। बांग्लादेश के नये तेज गेंदबाज हसन महमूद ने अफगानिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे टेस्ट मैच के तीसरे दिन हैट्रिक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। अब हसन टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले बांग्लादेश के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं।

इससे हसन को बांग्लादेश के उन गेंदबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं जो टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने में सफल रहे हैं। उनसे पहले साल 2003 में आलोक कपाली ने पाकिस्तान के खिलाफ पेशावर में हैट्रिक ली थी, और फिर 2013 में सोहान गाजी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चट्टागंव में टेस्ट हैट्रिक दोहराई थी। अब हसन महमूद ने अपनी तेज गेंदबाजी के बल पर इस प्रतिष्ठित सूची में अपना नाम दर्ज कराया है। एक तेज गेंदबाज के रूप में यह उपलब्धि और भी खास हो जाती है।तीसरे दिन की शुरुआत में नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए, हसन ने अपनी हैट्रिक की शुरुआत अफगानिस्तान के बल्लेबाज इस्मत आलम को आउट करके की।



आलम तब केवल एक रन ही बना पाये थे। हसन ने उन्हें साफ बॉलड कर दिया।

इसके बाद, हसन ने काइस अहमद को अपना दूसरा शिकार बनाया। बल्लेबाज ने ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और सीधे विकेटकीपर लिटन दाम के हाथ में आई। वहीं हसन की तीसरी गेंद पर जियाउर रहमान एलबीडब्ल्यू आउट हुए। मैदानी

अंपायर ने शुरुआत में अपील को खारिज कर दिया, लेकिन बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांते ने तुरंत रिव्यू लेने का फैसला किया। वीडियो रीफरल में स्पष्ट रूप से पता चला कि गेंद बल्ले से नहीं लगी थी और बॉल ट्रेकिंग के अनुसार वह सीधे स्टंप्स पर लग रही थी। अंपायर का फैसला बदला गया और इस तरह हसन महमूद ने अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी की, जिससे बांग्लादेश खेमा खुशी से झूम उठा। हसन

की इस गेंदबाजी से अफगानिस्तान की पहली पारी में केवल 240 रन ही बना पायी। इस शानदार प्रदर्शन के साथ, बांग्लादेश ने पहली पारी में 106 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली, जिससे मैच में उनकी स्थिति मजबूत हो गई। हसन ने न केवल हैट्रिक ली, बल्कि उन्होंने 5-विकेट हॉल भी पूरा किया, जो उनकी इस अविस्मरणीय उपलब्धि को और भी खास बनाता है।

गंभीर ने मयंक की जमकर प्रशंसा की

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की जमकर प्रशंसा की है। मयंक 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए टी-20 मुकाबले में मयंक यादव लगातार 140 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की गति से गेंद डालते रहे। चोट से उबरकर वापसी कर रहे मयंक ने इस मैच में अपने तीन ओवर में 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए। उनकी गेंदों के सामने वेस्टइंडीज का शीर्ष क्रम भी टिक नहीं पाया। उनकी इस प्रभावशाली गेंदबाजी ने न केवल



वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को परेशानी में डाला, बल्कि भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को एक ऐसे तेज गेंदबाज की झलक भी दी, जो भविष्य में टीम इंडिया के लिए एक बड़ा हथियार बन सकता है। इसी से से प्रभावित होकर गंभीर ने उनकी जमकर तारीफ की। गंभीर ने कहा, अगर आप 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं तो 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। अगर आप 120 की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं तो 120 की रफ्तार से गेंदबाजी करें। जब आप तेज गेंदबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आपको उस भूमिका को अच्छी तरह से निभाना चाहिए, उससे आज ऐसा किया और वह सफल रहा। गंभीर के इन शब्दों ने मयंक की उस भूमिका को सराहा, जिसमें उन्होंने अपनी स्वाभाविक तेज गति से कोई समझौता नहीं किया। हालांकि इस में भारतीय टीम के हारने पर गावस्कर ने ने कप्तान के एक फैसले पर नाराजगी जतायी । गावस्कर का मानना ? ?है कि 17वां ओवर मयंक न देना भारत की हार की एक बड़ी वजह रही। उन्होंने बताया कि कप्तान ने कुलदीप यादव को गेंद थमाई, जिन्होंने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी। इससे चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा कर रही वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी हो गया। गावस्कर ने कहा, मैं 17वें ओवर में अर्शदीप या मयंक में से किसी एक को गेंदबाजी के लिए बुलाता। साथ ही कहा , अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो मैच आपके पक्ष में जा सकता था। जब एक बार विकेट मिल जाए तो विपक्षी टीम अचानक बैकफुट पर आ जाती है, एक नए बल्लेबाज को आना पड़ता है। इसलिए उस समय मयंक को आजमाया जाना चाहिए था।

सचिन तेंदुलकर के नाम अनोखा टेस्ट रिकॉर्ड, छक्के से शतक पूरा करने में सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेस्ट क्रिकेट को धैर्य और तकनीक का खेल माना जाता है। खासकर पुरुने दौर में बल्लेबाजों के लिए 90 से 100 रन तक पहुंचना बड़ी चुनौती हुआ करता था। शतक के करीब पहुंचने पर बल्लेबाज बड़े शांति खेलने से बचते थे और एक-एक रन जोड़कर अपना शतक पूरा करते थे। हालांकि समय के साथ क्रिकेट का अंदाज बदला और आक्रामक बल्लेबाजों ने शतक पूरा करने के लिए छक्कों का सहारा लेना शुरू कर दिया। टेस्ट क्रिकेट में छक्के से शतक पूरा करने के मामले में भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर सबसे आगे हैं।

सचिन तेंदुलकर ने अपने टेस्ट करियर में छह बार छक्का लगाकर शतक पूरा किया। उनके नाम 200 टेस्ट मैचों में 51 शतक और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100

शतक का ऐतिहासिक रिकॉर्ड है, लेकिन छक्के से शतक पूरा करने का यह आंकड़ा अपेक्षाकृत कम चर्चा में रहा है। सचिन ने पहली बार 1994 में नागपुर में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना आठवां टेस्ट शतक छक्के के साथ पूरा किया था। इसके बाद इंग्लैंड के नॉटिंघम में उन्होंने अपने करियर का नौवां शतक भी छक्के से पूरा किया। सचिन के करियर का 18वां टेस्ट शतक भी छक्के से पूरा हुआ था। यह शतक उन्होंने न्यूजीलैंड के वेलिंगटन में बनाया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2010-11 की सीरीज में उन्होंने छक्के के साथ अपना 49वां शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके 50वें और 51वें टेस्ट शतक के दौरान भी छक्का शतक पूरा करने का माध्यम बना। इस तरह सचिन ने कुल छह टेस्ट शतक छक्का लगाकर पूरे किए।

इस सूची में इंग्लैंड के केन बैरिंगटन भी शामिल हैं, जिन्होंने चार टेस्ट शतक छक्के से पूरे किए थे। हालांकि वह सचिन से पीछे हैं। भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी छक्के से शतक पूरा करने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में तीन बार छक्का लगाकर शतक पूरा किया। सहवाग ने 2003 में मेलबर्न में स्ट्रुअर्ट मैकगिल की गेंद पर छक्का लगाकर शतक पूरा किया था। इसके बाद 2004 में मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने छक्के के साथ शतक पूरा किया। 2010 में कानपुर के ग्रीन पार्क मैदान पर रॉबिन पीटरसन की गेंद पर छक्का लगाकर सहवाग ने एक और टेस्ट शतक पूरा किया। सहवाग के नाम टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक भी है, जिसे उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर हासिल किया।



भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी करेंगे सैंटनर

–फर्ग्युसन और एलन की तीन साल बाद वापसी

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाली मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी मिशेल सेंटनर को दी गयी है जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन की तीन साल के बाद टीम में वापसी हुई है। यह सीरीज 4 नवंबर से 15 नवंबर तक खेली जाएगी, जिसके लिए न्यूजीलैंड बोर्ड ने पहले तीन एकदिवसीय और अंतिम दो एकदिवसीय के लिए अलग-अलग दल का चयन किया है। टीम के रणनीतिक बदलावों और प्रमुख खिलाड़ियों की वापसी से यह सीरीज और भी बेहतर होने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि टीम में वापसी करने वाले फर्ग्युसन ने कीवी टीम के लिए अपना अंतिम एकदिवसीय मुकाबला तीन साल पहले खेला था और अब वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिससे टीम की तेज गेंदबाजी बेहतर होगी। उनके अलावा फिन एलन की भी तीन साल के बाद ही एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में दक्षिण अफीका चैंपियंस से हारी इंडिया चैंपियंस

शारजाह । दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने इंडिया चैंपियंस को 4 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स जीती है। इस मैच में टीम इंडिया के दिये 196 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस टीम ने 7 गेंदे पहले ही 197 रनों के लक्ष्य को हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया चैंपियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने केवल 31 गेंदों पर ही 6 चौके और 6 छक्कों की सहायता से 77 रनों की आक्रामक पारी खेली। वहीं स्ट्रुअर्ट व्त्रिनी ने भी अर्धशतक लगाया और 50 रन बनाए। वहीं युवराज सिंह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। अंबाती राघुदुरसिर्फ 19 रन ही बना पाए। दसुफ पटान ने 24 रन तो बनाए लेकिन उनकी धीमी पारी टीम के लिए उतनी उपयोगी साबित नहीं हुई। इरफान पटान और ऋषि धवन समेत अन्य बल्लेबाज भी अधिक रन नहीं बना पाये। टीम इंडिया ने तय ओवरों में 196 रन बनाये। इसके बाद बड़े लक्ष्य करते हुए दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उनके पहले चार विकेट केवल 67 रन पर ही गिर गए थे, जिससे इंडिया चैंपियंस की जीत की उम्मीदें बन रही थीं। प्रमुख बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और कप्तान फाफ डु प्लेसिस भी सस्ते में ही पेवेलियन लौट गये पर इसके बाद जेपी डुमिनी और कॉलिन इंग्रम ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 101 रन बनाये। डुमिनी ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए 66 रनों की आक्रामक पारी खेली जबकि कॉलिन इंग्रम ने भी 40 रन बनाये। भारतीय गेंदबाज असफल रहे जिससे इंडिया चैंपियंस को इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी है।

रेनशॉ ने विराट का एक रिकार्ड तोड़ा



डारबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 190 रनों की एक ऐतिहासिक पारी खेलकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का लगभग आठ साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। ये रिकार्ड है निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर सबसे अधिक रन बनाने का।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के 124 रनों पर ही शीर्ष बल्लेबाज आउट हो गये थे। ऐसे समय में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मैट रेनशॉ ने एक छोर संभाले रखा और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उनकी 190 रनों की जुझारू पारी की सहायता से ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 390 रनों का स्कोर बनाने में सफल रही।

रेनशॉ ने अपनी इस पारी में पुछ्छे बल्लेबाजों के साथ मिलकर कुल 174 रन जोड़े, जो अब तक का एक नया कीर्तिमान है। उन्होंने विशेष रूप से तब

पारी संभाली जब ऑस्ट्रेलिया के आठ विकेट मात्र 230 रनों पर गिर चुके थे। उन्होंने नौवें विकेट के लिए अनुभवी स्पिनर नाथन लायन के साथ मिलकर 134 रनों की एक अविश्वसनीय साझेदारी की। इसके बाद, उन्होंने पैट कर्मिस के साथ भी कुछ अहरम रन जोड़े, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई पारी को और मजबूती दी। इन साझेदारियों ने न केवल ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल से निकाला, बल्कि रेनशॉ को यह विशिष्ट रिकॉर्ड बनाने में भी सहायता की।

वहीं इससे पहले, टेस्ट क्रिकेट में पुछ्छे बल्लेबाजों के साथ बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक रन जोड़ने का यह रिकॉर्ड विराट के नाम था। कोहली ने साल 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट में अपनी 235 रनों की शानदार पारी के दौरान निचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ 171 रन बनाए थे। रेनशॉ ने कोहली के इस आठ साल पुराने रिकॉर्ड को तीन रन के मामूली अंतर से तोड़कर एक नया कीर्तिमान अपने नाम किया है।

अर्जेटीना से विदाई के बाद मेसी का धमाका, इंटर मियामी के लिए दागे दो गोल



फ्लोरिडा । अर्जेटीना के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के भावनात्मक अंत के महज चार दिन बाद लियोनेल मेसी ने क्लब फुटबॉल में शानदार वापसी की। मेसी ने शनिवार को इंटर मियामी की ओर से खेलते हुए डीसी यूनाइटेड के खिलाफ दो गोल दागे और अपनी टीम को 4-0 से शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने लीग में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

मैनचेस्टर सिटी, लिवरपूल मुकाबले में दर्शकों को रोमांचक खेल देखने को मिलेगा : एर्लिंग

लंदन । मैनचेस्टर सिटी के स्टार स्ट्राइकर नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड को उम्मीद है कि लिवरपूल के खिलाफ होने वाले मुकाबले में उनकी टीम का प्रशंसकों का पूरा साथ मिलेगा। प्रीमियर लीग फुटबॉल में नंबर एक पर चल रही मैनचेस्टर सिटी इस मैच मैच में जीत कर अपनी स्थिति और मजबूत करना चाहती है। एर्लिंग को उम्मीद है कि प्रशंसक को इस बड़े मुकाबले में काफी अच्छा खेल देखने को मिलेगा। एर्लिंग का कहना है कि इस मुकाबले में टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। साथ ही उसे सकारात्मक रुख बनाये रखना होगा। एर्लिंग ने स्वीकार किया कि



लिवरपूल के खिलाफ खेलना हमेशा ही एक अनूठा अनुभव होता है। उन्होंने एनफील्ड में अपने पिछले अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने वहां जीत, ड्रॉ और हार, तीनों का आनंद लिया है। उनके अनुसार, यह खेल एक नई चुनौती लेकर आता है, और दोनों क्लबों के बीच की गहरी प्रतिद्वंद्विता इसे और भी रोमांचक अनुभव बना देती है। एर्लिंग ने मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गाडियोला और लिवरपूल के पूर्व मैनेजर जर्गन क्लोप के बीच दशकों तक चली जबरदस्त प्रतिस्पर्धा को भी याद किया। उन्होंने बताया कि जब वह साल्जबर्ग और बोरुसिया डॉर्टमुंड के लिए खेलते थे, तब वह इन दो महान प्रशिक्षकों के बीच होने वाले मुकाबलों को बड़ी उत्सुकता से देखते थे। ब्रिटेन के साथ अपने गहरे पारिवारिक जुड़ाव का जिक्र करते हुए हालैंड ने कहा कि उनकी मां लगभग एक दशक तक इस देश में रही है, जबकि उनके पिता मैनचेस्टर सिटी के लिए खेलते हुए कैरिंगटन में अभ्यास करते थे। उन्होंने अपने बचपन के शुरुआती चार महत्वपूर्ण साल भी यहीं बिताए। इन व्यक्तिगत संबंधों के चलते, यह स्थान उनके लिए बेहद खास है और उन्हें मैनचेस्टर सिटी तथा उसके समर्पित प्रशंसकों से गहरा लगाव है। मैनचेस्टर सिटी ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले लीग के शुरुआती पांच मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर एक मजबूत शुरुआत की थी। हालांकि, लिवरपूल के घरेलू मैदान एनफील्ड में उसे निश्चित रूप से एक कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा।

शंघाई मास्टर्स : दर्शक से जुड़े विवाद के बाद मेदवेदेव ने दर्ज की पहली जीत, अल्काराज भी अगले दौर में पहुंचे



शंघाई । रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने दर्शक से जुड़े विवाद के बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स में जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने शनिवार को खेलें गए दूसरे दौर के मुकाबले में जर्मनी के जान-लेनार्ड स्टर्फ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। चीन ओपन में डिसकालिफाई किए जाने के बाद यह उनका पहला मुकाबला था।

राजस्थान दर्शन

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित मेरी शक्ति की कहानी कार्यक्रम में महिलाओं ने साझा किए संघर्ष और सफलता के अनुभव



राजस्थान दर्शन

राजसमंद। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल कांकरोली एवं युवती विभाग की ओर से नवरात्रि के पावन अवसर पर मेरी शक्ति की कहानी और युवती शक्ति-द शोकेस विषय पर आयोजित प्रेरणादायी कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी जीवन-यात्रा, संघर्षों, अनुभवों और उपलब्धियों को साझा करते हुए समाज को आत्मविश्वास, साहस और आत्मबल का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात महिला मंडल कांकरोली की अध्यक्ष मनोषा कचरारा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी जीवन-यात्रा को नए दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। जीवन में आने वाली चुनौतियों को अपनी ताकत में बदलकर महिलाएं आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ सकती हैं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महिलाओं द्वारा अपनी जीवनगाथा साझा करना रहा। प्रतिभागियों ने बताया कि जीवन के विभिन्न पड़ावों पर उन्हें किन-किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, उन अनुभवों से उन्होंने क्या सीखा और किस तरह अपने भीतर आत्मविश्वास विकसित किया। उनकी कहानियों में धैर्य, संकल्प, सकारात्मक सोच और आत्मनिर्भरता की झलक देखने को मिली। क्वत्ताओं ने संदेश दिया कि प्रत्येक महिला के भीतर अपनी अलग पहचान बनाने की विशेष शक्ति होती है। जब महिलाएं अपने अनुभवों को साझा करती हैं, तो वे दूसरों के लिए प्रेरणा का आधार बनती हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनुक्ता ससुराणिया ने प्रथम स्थान, रीना बाबेल ने द्वितीय स्थान तथा सपना मल्लेचा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संचालन प्रिया चोर्डिया ने किया एवं अंत में निरुपमा धारीवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गुड़ला विद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कार्यशाला आयोजित

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर श्रीमती बदाम बाई उदयलाल सियाल राउमावि गुड़ला में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्रसिंह चारण, विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता जिला मनोरंपण प्रभारी व प्रशिक्षक पुषेन्द्र पणिक्कर थे। जबकि अध्यक्षता स्थानीय संस्था प्रधान डॉ नीना शेखावत ने की। वहीं रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला मनोरंर्पण प्रभारी पणिक्कर ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा करते हुए उनके अनुभव भी सुने। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को परीक्षा के समय तनाव लेने से बचना चाहिए तथा अपने मन की बातें सदैव माता-पिता और सच्चे मित्रों से साझा करनी चाहिए। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी चारण ने विद्यार्थियों को मोबाइल फोन का सीमित एवं संतुलित उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने महाभारत के कर्ण का प्रसंग सुनाते हुए सच्चे मित्र के गुणों पर प्रकाश डाला और राष्ट्रकवि रामधारीसिंह दिनकर की प्रसिद्ध कविता का सुमधुर गायन भी किया। इसी क्रम में प्राध्यापक नरेन्द्रसिंह चौहान ने पायलट रिमथ मख्खर का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक संतुलन और धैर्य बनाए रखकर कार्य करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में संस्था प्रधान डॉ शेखावत ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए। इस दौरान कानसिंह, पुष्प लता, प्राची शर्मा, उषा यादव, विजयसिंह, वरदान मुद्गल, यशोदा लोहार, राजेश कुमार और दिलराज मीणा सहित विद्यार्थी मौजूद थे। संचालन प्राध्यापक नरेन्द्रसिंह चौहान नेकिया।

कीर समाज केपीएल-2 क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर हुई बैठक

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। कीर समाज के जिला स्तरीय केपीएल-2 क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल आयोजन को लेकर हरिवंश कीर समाज बड़े चोकला के सामुदायिक भवन (रेलवे स्टेशन के पास) में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। समाज अध्यक्ष लहरीलाल कीर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में टूर्नामेंट की तैयारियों और विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। आयोजन समिति के अनुसार यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रेलमगरा तहसील के ओड़ा गांव में आगामी 12 से 15 नवंबर 2026 तक खेली जाएगी। इस रोमांचक टूर्नामेंट में जिले की कुल 12 प्रमुख टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके सभी खिलाड़ियों का चयन विशेष आ्वेशन (सीलान्डी) प्रक्रिया के माध्यम से किया गया है। प्रतियोगिता को लेकर समाज के युवाओं और खेल प्रेमियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। टूर्नामेंट में सांवरिया मार्वल, राडाजी कंस्ट्रक्शन, भैरवनथ फ्लेक्स, वीबीके आरजे 30, 11 स्टार नैनपुरिया, कविता एंटरप्राइजेज, मातेश्वरी क्लब, अहमदाबाद टाइगर, ब्रदर्स, मातृकुंडिया सुपर किंग, हरिओम ग्रुप और काव्यश्र ट्रैडिंज मोही की टीमें अपना दमखम दिखाएंगी। इस दौरान बड़े चोकला अध्यक्ष लहरीलाल कीर, युवा जिलाध्यक्ष नारायणलाल कीर (उपली ओडन), उपाध्यक्ष एसके महादेव, कमेटी अध्यक्ष मनोहरलाल कीर, सरपंच अंबालाल भेरुलाल, कैलाश (पिपली), हिम्मत कीर, राजू बांस, उदयलाल, रमेशचंद्र कीर (ओड़ा), बाबूलाल, भंवर, विजय, कैलाश और अर्जुन (नैनपुरिया) सहित मौजूद थे।

काव्य गोष्ठी मंच कांकरोली ने किया नवनविर्वाचित उप सभापति मोहन कुमावत और वाई पार्षद का अभिनंदन

राजसमंद। साहित्यिक संस्था काव्य गोष्ठी मंच कांकरोली द्वारा नगर परिषद के नवनियुक्त उप सभापति मोहन कुमावत और वाई पार्षद अंजना ललित खींची का अभिनंदन किया गया। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने दोनों जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए नगर में साहित्यिक और सांस्कृतिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए विशेष रूप से कार्य करने का आग्रह किया। वरिष्ठ कवि सुर्यप्रकाश दैक्षित और सतीश आचार्य ने जनप्रतिनिधियों को इकलौई ओढ़ाकर अभिनंदन किया। इस दौरान संस्था की ओर से एक महत्वपूर्ण मांग रखते हुए नगर के गांधी ग्राउंड के योजनाबद्ध विकास तथा नगर के मध्य किशोर नगर में करीब 250 की बैठक क्षमता वाला एक आधुनिक ऑडिटोरियम बनवाने का आग्रह किया गया

राजसमंद पुलिस द्वारा नवरात्रि में शक्ति सुरक्षा अभियान का शुभारंभ

गरबा और डांडिया स्थलों पर रहेगी विशेष निगरानी

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। महानिदेशक पुलिस राजस्थान राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार नवरात्रि के पावन पूर्व के दौरान गरबा और डांडिया कार्यक्रमों में शामिल होने वाली महिलाओं तथा बालिकाओं की सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान पुलिस प्रदेशभर में शक्ति सुरक्षा अभियान संचालित करेगी इस संबंध में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस कम्प्युनिटी पुलिसिंग एवं जन-अभियोग लता मनोज कुमार ने समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों और जयपुर तथा जोधपुर के पुलिस उपायुक्तों को आवश्यक एवं कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। एडीजी लता ने बताया कि यह अभियान केवल गरबा-डांडिया कार्यक्रमों के दौरान ही सक्रिय नहीं रहेगा, बल्कि कार्यक्रम समाप्त होने के बाद भी महिलाओं की सुरक्षित घर वापसी पर विशेष नजर रखी जाएगी इसके लिए प्रमुख आयोजन स्थलों को पहले से

सेवा ही संकल्प अभियान: रात में सड़कों पर उतरी नगर परिषद की टीम

सभापति ने सफाई कर व्यापारियों और आमजन को स्वच्छता का दिया संदेश

दुकानों के बाहर कचरा नहीं डालने और सफाई व्यवस्था बनाए रखने की समझाइश

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से नगर परिषद की ओर से सेवा ही संकल्प अभियान के तहत विशेष रात्रिकालीन सफाई अभियान चलाया गया। सभापति अनीता लोकेश पालीवाल के सानिध्य में टीवीएस सैराहे से महाराणा राजसिंह मार्ग पर सफाई कर स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास किया गया। इस दौरान नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने मार्ग की सफाई की और व्यापारियों व आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए शहर को साफ-सुधरा रखने में सहयोग करने की समझाइश की। कार्मिकों के साथ में सभापति पालीवाल, अधिकारियों ने भी झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान व्यापारियों से दुकानों के बाहर कचरा एकत्रित नहीं होने देने, कचरे को निर्धारित स्थान पर डालने तथा प्रतिष्ठानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की गई। साथ ही आमजन को सड़क पर कचरा नहीं

65वां पांच दिवसीय जोहिड़ा भेरूजी सांस्कृतिक मेला शुरु

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। जिले में कुंवारिया करबे के मेला परिसर में पंचायत समिति राजसमंद की ओर से आयोजित पांच दिवसीय जोहिड़ा भेरूजी बावजी के 65वें विशाल सांस्कृतिक मेले का रविवार को धिधिवत उद्घाटन हुआ। इस बार पंचायत राज चुनावों की आचार संहिता लागू होने के कारण मेले का उद्घाटन स्कूली बालिकाओं, मेला परिसर स्थित पूजा स्थल के पुजारी तुलसीराम सालवी और भूरालाल भील की उपस्थिति में फीता काटकर तथा झंडारोहण के साथ संपन्न हुआ। दिन के शुभ मुहूर्त में मेला आयोजन समिति के सदस्यों, पंचायत समिति के अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में मुख्य प्रवेश द्वार पर स्कूली बालिकाओं के हाथों रिबन कटवाकर मेले का शुभारंभ किया गया। इसके बाद मेले में विराजित जोहिड़ा बावजी और जोगनिया माताजी के मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई तथा मेले के संस्थापकों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। मेला मंच के समीप भी बालिकाओं के हाथों से झंडारोहण की रस्म अदा की गई। मेला मंच पर आयोजित औपचारिक उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान शहीद भगतसिंह विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने राजस्थानी गीतों और अंजनों पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। संचालन कैलाश शर्मा द्वारा किया गया। उद्घाटन के दौरान पंचायत समिति विकास अधिकारी हीरालाल गोयल, तहसीलदार उज्ज्वल जैन, नायब तहसीलदार नवीन गढ़वाल, कुंवारिया सीआई पूरणसिंह राजपुरोहित, वरिष्ठ लेखाधिकारी केसरमल, कैशियर अभिषेक शर्मा, सहायक विकास अधिकारी संजय



चिह्नित कर वहां सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। एसपी हेमंत कलाल ने बताया कि संवेदनशील और अत्यधिक भीड़भाड़ वाले प्रमुख कार्यक्रम स्थलों पर विशेष कालिका पेट्रोलिंग टीमों और महिला पुलिसकर्मियों की पर्याप्त तैनाती की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर सादे वस्त्रों में भी महिला पुलिसकर्मियों को निगरानी के लिए तैनात किया जाएगा। महिलाओं के साथ

छेड़छाड़ या किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार करने वाले उपद्रवियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के लिए डिर्काय ऑपरेशन संचालित किए जाएंगे और नियमानुसार प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। प्रमुख गरबा और डांडिया पंडालों में विशेष महिला हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी, जहां महिला पुलिसकर्मियों की उपलब्धता हमेशा सुनिश्चित होगी। आयोजन स्थलों पर महिला हेल्पलाइन नंबर, राजकॉप ऐप और

उदयपुर, सोमवार 12 अक्टूबर, 2026 6

राजसमंद पुलिस द्वारा नवरात्रि में शक्ति सुरक्षा अभियान का शुभारंभ

अन्य जरूरी पुलिस संपर्क माध्यमों की जानकारी देने वाले पोस्टर व क्यूआर कोड प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे, ताकि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएं तुरंत पुलिस सहायता प्राप्त कर सकें। बड़े आयोजनों के आयोजन से पहले पुलिस द्वारा आयोजकों के साथ आवश्यक बैठकें की जाएंगी, जिसमें महिला सुरक्षा से जुड़े दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। आयोजकों को महिला सुरक्षा के लिए तैनात संबधित स्थानीय पुलिस अधिकारियों को उपलब्ध करानी होंगी। इसके अलावा आयोजन स्थलों पर लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, साथ ही प्रवेश द्वारों पर पहचान-पत्र और डिजिटल पास की सख्ती से जांच की जाएगी। कार्यक्रम स्थलों के प्रवेश व निकास द्वारों, पार्किंग क्षेत्रों तथा पार्किंग से मुख्य आयोजन स्थल तक आने-जाने वाले सभी मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इन सभी स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पुलिस पेट्रोलिंग और जरूरत के मुताबिक महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। महिला यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में

हिंदुस्तान जिंक की सामाजिक पहलों से 20 लाख से अधिक बालिकाओं और महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। हर लड़की को केवल पढ़ाई का अवसर ही नहीं, बल्कि अपने सपनों को पूरा करने और अपना भविष्य खुद तय करने का अधिकार मिलना चाहिए। इसी सोच के साथ हिंदुस्तान जिंक बालिकाओं और महिलाओं को शिक्षा, उच्च शिक्षा, खेल और कौशल विकास के माध्यम से आगे बढ़ने के अवसर प्रदान कर रहा है, जिससे अब तक 20 लाख से अधिक बालिकाओं और महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। कंपनी की विभिन्न सामाजिक पहलों से लाभान्वित होने वालों में लगभग 50 प्रतिशत महिलाएं और बालिकाएं शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लड़कियों के उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी बन सकती है। इसी उद्देश्य के तहत हिंदुस्तान जिंक की शिक्षा संबल पहल सरकारी विद्यालयों के 47 हजार से अधिक विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को मजबूत कर रही है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थी बालिकाएं हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित आधारित शिक्षा के जरिए ग्रामीण बालिकाओं में तकनीकी विषयों के प्रति आत्मविश्वास बढ़ रहा है। इसी दिशा में ऊंची उड़ान कार्यक्रम मेधावी विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए मार्गदर्शन और कोचिंग प्रदान कर रहा है, जिसका लाभ अब तक करीब 350 विद्यार्थियों को मिल चुका है। उत्तराखंड के हल्दी गांव की सानिया उराव इसका प्रेरणादायक उदाहरण है, जिन्होंने इस कार्यक्रम से जुड़कर आईआईटी गुवाहाटी में प्रवेश प्राप्त किया है। वहीं पश्चिम बंगाल की सोनम घोष ने जिक फुटबॉल अकादमी के आवसीय बालिका कार्यक्रम से जुड़कर अपनी प्रतिभा को निखारा और अंतरराष्ट्रीय स्तर

जयकारों के साथ मंदिरों में घट स्थापना : सजे-धजे पाण्डालों में शुरु हुआ गरबा महोत्सव

राजस्थान दर्शन

राजसमंद। शक्ति की उपासना के पावन महापर्व शारदीय नवरात्रि का रविवार को जिलेभर में आगाज हो गया। शुभ मुहूर्त में शहर के देवी मंदिरों, देवालयों और घर-घर में विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ घट (कलश) स्थापना की गई। इसके साथ ही मंदिरों में ज्वारे बोए गए और माता आदिशक्ति की विशेष आराधना का दौर शुरू हो गया। घट स्थापना और सोमवार के अवकाश के चलते पहले ही दिन शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक मंदिरों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार अलसुबह से ही प्रमुख शक्तिपीठों पर दर्शनार्थियों की लंबी-लंबी कतारें लगा गईंए जो दै रात तक जारी रही। राजनगर स्थित पहाड़ी पर विराजित अनन्पूर्णा माता, आवरी माता, राठासेन माता व धूंधलाजा माता के साथ-साथ राजसमंद झील किनारे स्थित घेवर माता, अम्बा माता, भोईवाड़ा स्थित चावण्ड माता, कालाजी-गोराजी मंदिर, द्वारकाधीश मार्ग स्थित नाहरसिंह माता मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान शुरू हुए। इसके अलावा जिले के प्रसिद्ध शक्तिपीठों में सुमार विकासवास माता, दोवड़ा माता, बायण माता, वारोही माता, पिपलाज माता और कालिका माता मंदिरों में भी घट स्थापना के साथ विविध अनुष्ठानारंभ हुए, जिनकी पूर्णाहूति नौ दिनों बाद होगी। त्योहार के आगमन से राजसमंद के मुख्य बाजारों में जबरदस्त रोक और व्यापारिक चहल-पहल देखने को मिली। पूजन समग्री, माता के श्रृंगार, चुनरी, ताजे फूलों की मालाओं और व्रत-उपवास की खाद्य सामग्रियों की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ जुटी रही। दुकानदारों के अनुसार पहले दिन से ही बिच

रखते हुए आंटी और टेक्सी चालकों के साथ भी विशेष बैठकें आयोजित की जाएंगी। चालकों को किसी भी सदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने के लिए जागरूक किया जाएगा तथा सार्वजनिक वाहनों पर महिला सुरक्षा हेल्पलाइन से जुड़े स्टिकर चस्पा करवाए जाएंगे। महिला सुरक्षा और जन-जागरूकता अभियान को और अधिक व्यापक बनाने के लिए युवा सामुदायिक समन्वय समूह के सदस्यों और सुरक्षा सखियों की भी सक्रिय सहायता ली जाएगी। नवरात्रि शुरू होने से पहले जिला पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस, स्थलों पर लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, साथ ही प्रवेश द्वारों पर पहचान-पत्र और डिजिटल पास की सख्ती से जांच की जाएगी। कार्यक्रम स्थलों के प्रवेश व निकास द्वारों, पार्किंग क्षेत्रों तथा पार्किंग से मुख्य आयोजन स्थल तक आने-जाने वाले सभी मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इन सभी स्थानों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पुलिस पेट्रोलिंग और जरूरत के मुताबिक महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। महिला यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में

हिंदुस्तान जिंक की सामाजिक पहलों से 20 लाख से अधिक बालिकाओं और महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव



पर देश का प्रतिनिधित्व करने का सफर तय किया। कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण हिंदुस्तान जिक की सामुदायिक पहल सखी की उठोरी जागृति कलामंच बाल विवाह, लैंगिक समानता और महिला अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता बढ़ाने का कार्य कर रही है। राजस्थान के मूलजी का खेड़ा गांव की इंद्रा देवी सखी उड़ान समिति की सचिव के रूप में समुदाय में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलना रही है और संघर्ष से नेतृत्व तक का सफर तय कर चुकी है। जिक कौशल पहल के जरिए अब तक 12 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें 46 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। कुल मिलाकर कंपनी की इन पहलों का प्रभाव 4 हजार 100 से अधिक गांवों के 26 लाख से ज्यादा लोगों तक पहुंच चुका है, जिससे आज बेटियां आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य को नया आकार दे रही हैं।



में अच्छा उछाल आया है, जिससे पूरे शहर में उत्सव का माहौल है। इसके साथ ही कई स्थानों पर गरबा महोत्सव भी आयोजन किए जा रहे हैं, जिसको लेकर आकर्षक रंग बिरंगी परियों से सुसज्जत पाण्डाल बनाए गए हैं। वहां पर डीजे की धून पर दस दिनों तक गरबा महोत्सव खेला जाएगा। शहर सहित जिलेभर के मंदिरों में घट स्थापना के साथ ही शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर शहर के विभिन्न गली-मोहल्लों और कॉलोनीयां में आकर्षक रंग-बिरंगी परियों, फूलों और रोशनी से सुसज्जित पाण्डाल सजाकर माता की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। श्रीबालकृष्ण स्टेडियम में लालन ग्रुप की ओर से अध्यक्ष कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में गाजे-बाजे के साथ माता की प्रतिमा की स्थापना की गई। वैदिक पूजा-अर्चना और आरती के पश्चात सनातन परंपरा के तहत 101 कन्याओं का पूजन किया गया। वहीं दूसरी ओर द्वारकेश वाटिका में रॉयल ग्रुप के अध्यक्ष हेमंत पालीवाल के सान्निध्य में पाण्डाल में वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-यज्ञ के साथ माताजी की प्रतिमा स्थापित की गई।

टीपीएफ की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए राजसमंद शाखा को रचपीथन बांच अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने का उल्लेख किया और भविष्य में भी सेवा, समर्पण के साथ कार्यक्रम करने का संदेश दिया। डॉ बड़ोला और भिक्षु ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने आचार्य महाप्रज्ञ योजना के तहत इस बात पर विशेष जोर दिया कि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे, और जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं सहित प्रोफेशनल क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे तेरापंथ समाज के प्रोफेशनल्स की सराहना की और अधिकाधिक प्रोफेशनल्स को संगठन से जुड़कर सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि रेखा जैन ने



आधारित एक विशेष प्रस्तुत ने उपस्थित सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। टीपीएफ शाखा के अध्यक्ष हिम्मत सहलोल ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत कर सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में टीपीएफ के राष्ट्रीय महामंत्री नवीन चोरडिया, विशिष्ट अतिथि सेंट्रल जोन प्रेसिडेंट

रेखा जैन और नेशनल को-कन्वीनर एलुमनी डॉ सुमन बड़ोला की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनके अलावा भिक्षु बांधस्थल के अध्यक्ष हर्षलाल नवलखा, केलवा सभा अध्यक्ष सुभाष कोठारी, कांकरोली टीपीएफ अध्यक्ष राकेश दुकलिया, वैभव कोठारी सहित पदाधिकारी मौजूद थे। टीपीएफ सेंट्रल जोन के विभिन्न पदों

पर आसीन पदाधिकारियों और कमेटी सदस्यों ने भी सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि चोरडिया ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में टीपीएफ के आगामी कार्यक्रमों, संगठन के विस्तार और इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने आचार्य महाप्रज्ञ योजना के तहत इस बात पर विशेष जोर दिया कि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे, और जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं सहित प्रोफेशनल क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे तेरापंथ समाज के प्रोफेशनल्स की सराहना की और अधिकाधिक प्रोफेशनल्स को संगठन से जुड़कर सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि रेखा जैन ने

टीपीएफ की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए राजसमंद शाखा को रचपीथन बांच अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने का उल्लेख किया और भविष्य में भी सेवा, समर्पण के साथ कार्यक्रम करने का संदेश दिया। डॉ बड़ोला और भिक्षु ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने आचार्य महाप्रज्ञ योजना के तहत इस बात पर विशेष जोर दिया कि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी विद्यार्थी शिक्षा से वंचित न रहे, और जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं सहित प्रोफेशनल क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे तेरापंथ समाज के प्रोफेशनल्स की सराहना की और अधिकाधिक प्रोफेशनल्स को संगठन से जुड़कर सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि रेखा जैन ने





लॉग टर्म कोर्स की बजाय रोजगार पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं आज के युवा

नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवतः उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रशिक्षण विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं।

ठहराव आया है, संभवतः उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रशिक्षण विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं। डेटा साइंस और एनालिटिक्स कोर्स (22 प्रतिशत), इसके बाद डिजिटल मार्केटिंग (20 प्रतिशत), और वित्त और जोखिम प्रबंधन (16 प्रतिशत) शीर्ष पाठ्यक्रमों में से थे जो नौकरी ढूँढने वालों द्वारा चुने गए थे।

गेजिंग इन टू द फ्यूचर

यंग इंडिया, देयर एम्प्लॉयर्स एंड कैरियर चॉइस के एक सर्वेक्षण के अनुसार, अल्पकालिक पेशेवर योजना ही एक सही रास्ता है। उतरदाताओं ने कहा कि वे तेजी से एक ‘नौकरी’ के बारे में सोचेंगे और ‘कैरियर’ नहीं, क्योंकि उनके आसपास की चीजें तेजी से बदल रही हैं और वे अगले पांच वर्षों में भी ऐसे जीवन कैरियर की कल्पना नहीं कर सकते हैं जब बहुत सारे वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के होते हुए भी शायद ही कुछ ऐसे होंगे जो एक उचित परिपेक्ष्य में, अनुकूल और लाभप्रद रोजगार दे सकेंगे। टलेंटेज ने 20,000 छात्रों में से ऐसे उतरदाताओं की पहचान की है जिन्होंने इस संस्था में पिछले वर्ष नामांकन किया था, उनमें से 60 उतरदाताओं ने इस सर्वे में भाग लेने के लिए फाइनल कट दिया है। सर्वेक्षण पर आधारित यह अध्ययन लगभग पांच वर्षों तक किया गया, जिसमें से मानव संसाधन प्रमुखों, सीएक्सओ, कैरियर काउंसलर और समाजशास्त्रियों के उत्कृष्ट विचारों को संज्ञान में लिया गया, ताकि इस उभरते हुए झुकाव की विस्तृत तस्वीर सामने आ सके और उम्मीदवारों को सही मार्गदर्शन मिल सके। टलेंटेज के आदित्य मालिक ने एक विजनेस समाचार पत्र में दिए गए एक वक्तव्य में बताया कि 29 साल की औसत आयु के साथ भारत 2026 तक दुनिया का सबसे युवा देश होगा। उन्होंने बताया कि वो युवा भारतीयों के विचारों को, उनके कैरियर के विकल्पों की संभावनाओं को और उनकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में समझना चाहते थे। अध्ययन में पाया गया कि डिग्रियों का कम्पित अधिग्रहण कैरियर का एक नया मापदंड होगा, जैसा कि उतरदाताओं ने कहा कि उन्हें क्रियाशील व व्यावहारिक तजुर्बों से सीखना होगा और जरूरत पड़ने पर और अधिक डिग्री हासिल करनी होगी। विशेषज्ञों ने इस सर्वेक्षण पर विचार विमर्श किया और पाया कि शिक्षा सिर्फ एक बार का मामला नहीं होगा बल्कि एक सतत प्रक्रिया होगी जिसमें युवा जैसे जैसे आगे बढ़ते जायेंगे, डिग्रियां हासिल करते रहेंगे। आदित्य मालिक ने आगे बताया कि कॉर्पोरेट दुनिया के साथ बढ़ती निराशा युवाओं के जूनून को काम में परिवर्तित करने में उन्हें आगे ले जाएगी। लीक से हटकर बढ़ते हुए पाठ्यक्रमों ने नए कैरियर को पंख दे दिए हैं। और आज के युवा भी शायद इसे ही ज्यादा महत्त्व दे रहे हैं और अपना रुझान भी इसी पर केंद्रित कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार के लिए आज एक बहुत बड़ा स्कोप खुल गया है, यह स्वीकार करते हुए कि वे इस बात को लेकर निश्चित नहीं थे कि यह कितना आकर्षक होगा, क्योंकि इसके लिए बहुत अधिक प्रयास और परिश्रम की आवश्यकता होती है। तो अगर आप एक युवा हैं और अपने कैरियर को लेकर गंभीर हैं तो शायद आप अच्छी तरह से समझ गए होंगे कि शार्टटर्म का कोई मनचाहा कोर्स आपको सही दिशा में ले जायेगा या फिर कोई लॉन्गटर्म वाला कोर्स।



एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं।

पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत लाखों-करोड़ों साल पहले ही हो गई है। ऐसे कई जीव व जानवर हैं, जो सालों पूर्व धरती पर मौजूद थे, लेकिन अब वह विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन उनके जीवाश्म की मदद से पृथ्वी पर जीवन के इतिहास के अध्ययन को ही पैलियोन्टोलॉजी कहा जाता है। यह जीवाश्मों के अध्ययन के माध्यम से पृथ्वी पर पिछले जीवन की जांच है। जीवाश्म पौधों, जानवरों, कवक, बैक्टीरिया और अन्य एकल-कोशिका वाले जीवित जीवों के अवशेष या निशान हैं जो भूवैज्ञानिक अतीत में रहते थे और पृथ्वी की क्रस्ट में संरक्षित हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि पैलियोन्टोलॉजिस्ट सिर्फ डायनासोर का अध्ययन करते हैं, जबकि यह सच नहीं है। बल्कि यह जीवाश्मों की मदद से पृथ्वी पर जीवित चीजों की पूरी प्रजातियों का अध्ययन है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं कैरियर

क्या होता है काम

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं। वे प्रागैतिहासिक जीवन रूपों और जीवाश्मों की परीक्षा के माध्यम से पौधे और पशु जीवन के विकास पर शोध करते हैं। वे विलुप्त प्रजातियों के बारे में जानने के लिए जानवरों की हड्डियों, गोले और कास्ट का उपयोग



वर्तमान समय में, छात्रों के लिए संभावनाओं का एक खुला आसमान है, जहां पर वह विचार करके एक सुखद व सफल भविष्य बना सकते हैं। ऐसा ही एक क्षेत्र है लेक्सोग्राफी। हो सकता है कि आपके लिए यह शब्द नया हो, लेकिन हम आपको बता दें कि शब्दकोश प्रारूप में ‘शब्द’ लिखने की कला को लेक्सोग्राफी कहते हैं। लैंग्वेज स्टडी के इतिहास में इसका एक अहम स्थान है। जिसमें शब्दकोश निर्माण के दौरान इतिहास, थ्योरी, मैथडोलॉजी और टाइपोलॉजी शामिल है। अगर आप भी अलग-अलग भाषाओं के साथ अपना भविष्य देखते हैं तो आप लेक्सोग्राफी के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं अपना कैरियर-

क्या होता है काम

लेक्सोग्राफर एक प्रोफेशनल भाषाविद होते हैं, जो डिक्शनरी, एनसाइक्लोपीडिया व अन्य रेफरेंस टेक्स्ट जैसे लॉ और मेडिकल डिक्शनरी बनाने के लिए रिसर्च, लेखन, संकलन व संपादन करते हैं। आमतौर पर, लेक्सोग्राफी को दो शाखाओं में

करते हैं। साथ ही वह जीवाश्मों का पता लगाने और जीवाश्मों के बारे में प्रासंगिक तथ्यों की पहचान करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करते हैं। उनके कार्यक्षेत्र में जीवाश्मों का पता लगाना और उनकी खुदाई करना, निष्कर्षों की पहचान, अनुसंधान और उन्हें साझाकरण करना शामिल है।

पर्सनल स्किल्स

पैलियोन्टोलॉजिस्ट को कंप्यूटर की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और सांख्यिकीय विश्लेषण में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा उसमें मौखिक और लिखित संचार कौशल भी होने चाहिए, क्योंकि उन्हें पेशेवरों की एक टीम के साथ काम करना होता है। पैलियोन्टोलॉजिस्ट के पास उच्च जिज्ञासा स्तर और इमेजिनेशन पावर होनी चाहिए। उन्हें तार्किक और गंभीर रूप से सोचने में सक्षम होना चाहिए, जिज्ञासु और अत्यंत विश्लेषणात्मक होना चाहिए, और एकत्रित डेटा या जानकारी से निष्कर्ष निकालने की क्षमता भी इस क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है। चूंकि जीवाश्म विज्ञान एक कठिन काम है, जिसमें जीवाश्मों को खोजने और खुदाई करने के लिए बहुत से बाहरी काम करने की आवश्यकता होती है, एक इच्छुक व्यक्ति को धैर्यपूर्ण होना चाहिए।

योग्यता

पैलियोन्टोलॉजी एक विज्ञान से संबंधित लेकिन व्यापक क्षेत्र है। इसलिए एक जीवाश्म विज्ञानी को भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और

भूविज्ञान को जानना आवश्यक है। जीवाश्म विज्ञान में अधिकांश प्रवेश स्तर के पदों के लिए भूविज्ञान या पृथ्वी विज्ञान में मास्टर डिग्री की आवश्यकता होती है। वहीं रिसर्च और कॉलेज टीचिंग के लिए पीएचडी होना आवश्यक है। कई भाषाओं का ज्ञान इस क्षेत्र के लिए एक अतिरिक्त लाभ है।

रोजगार की संभावनाएं

एक पैलियोन्टोलॉजिस्ट के रूप में आप कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थान, संग्रहालयों, या राज्य और संघीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों, प्रयोगशालाओं आदि में काम कर सकते हैं। जीवाश्म विज्ञानी सार्वजनिक व निजी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

आमदनी

एक जीवाश्म विज्ञानी की आमदनी उनके शिक्षा के स्तर, अनुभव व जहां पर वे काम करते हैं, उस पर निर्भर करती है। निजी क्षेत्र में आपकी योग्यता व अनुभव के आधार पर अच्छा वेतन मिलता है। शुरुआती रूप में एक जीवाश्म विज्ञानी 15000 से 25000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। इसके बाद आपके अनुभव के आधार पर आमदनी बढ़ती जाती है।

प्रमुख संस्थान

भारत में केवल एक संस्थान जीवाश्म विज्ञान में एक पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यह हैदराबाद के बंडलागुडा में स्थित जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया है।

एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं।

पब्लिशिंग हाउस के लिए काम करते हैं। वह अपना कैरियर असिस्टेंट एडिटर या फिर जूनियर एडिटोरियल असिस्टेंट के तौर पर शुरू कर सकते हैं। कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप बतौर लेक्सोग्राफर काम कर सकते हैं - यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लोग सैलरी के लिए नहीं, बल्कि अपनी खुशी के लिए काम करते हैं। एक पब्लिशिंग हाउस में काम करने वाले लेक्सोग्राफर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। वैसे कई लेक्सोग्राफर एक फ्रीलांसर के तौर पर काम करते हैं और इस तरह वह हर प्रोजेक्ट के लिए चार्ज करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डेक्कन संस्थान, पुणे
- पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
- मद्रास विश्वविद्यालय केरल विश्वविद्यालय, केरल
- भारथिअर यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर



डॉक्टर बनने के लिए जरूरी है नीट परीक्षा ऐसे करें तैयारी

नीट मतलब नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट! यह परीक्षा देशभर में मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए आयोजित की जाती है। 12वीं के बाद अगर आप भी डॉक्टर बनना चाहते हैं और इससे संबंधित एमबीबीएस अथवा बीडीएस की पढ़ाई करना चाहते हैं तो आपको इस नीट का एग्जाम देना ही पड़ेगा। बता दें कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए द्वारा इसके लिए एंट्रेंस एग्जामिनेशन प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। इस परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सबजेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए। जान लें कि अगर आपने 12वीं की पढ़ाई ठीक ढंग से की है, खासकर बायोलॉजी, फिजिक्स व केमिस्ट्री में, तो आप इस परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, किंतु ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एकमात्र मेडिकल परीक्षा है। अतः कंपटीशन बेहद कठोर होता है। अतः मुश्किल तो होगी, किन्तु यह नामुमकिन कतई नहीं है! परीक्षा के माध्यम की बात करें तो हिंदी और अंग्रेजी में इसके प्रश्न दिए जाते हैं। अगर आप इस परीक्षा में पास हो जाते हैं तो ऑनलाइन इसकी काउंसिलिंग होती है और नेशनल लेवल के अलावा स्टेट लेवल पर भी इसकी काउंसिलिंग कंडक्ट की जाती है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी के हिसाब से सीटों को आवंटित किया जाता है। एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर इसकी दूसरी कई जानकारीयां आपको मिल जाएंगी। यहां तक कि आप मॉक टेस्ट का पेपर भी यहीं से डाउनलोड कर सकते हैं और उस हिसाब से अपनी तैयारी को धार दे सकते हैं। कैरियर एक्सपर्ट्स तैयारी के लिए सलाह देते हैं कि आपको काफी पहले से इस पर ध्यान देना होता है, किंतु जिस स्तर का टफ एग्जामिनेशन होता है, उसे देखते हुए आपको अंतिम के तकरीबन 2 महीने बेहद सटीकता से रीवीजन पर बिताना होगा। इसके लिए आपको न केवल स्टूड्स से बचना होगा, बल्कि बेहतरीन तैयारी के लिए पूरी शेड्यूलिंग करके अलग-अलग सबजेक्ट पर ध्यान देना होगा। ध्यान रहे! यह कोई

साधारण एग्जामिनेशन नहीं है, इसलिए आप भिन्न एक्सपर्ट्स से मार्गदर्शन लेने में संकोच ना करें। इसमें पिछले वर्ष के टॉपर्स की इंटरव्यू आपको मिल जाएगी, जिसे आपको पढ़ना-सुनना चाहिए। इसी प्रकार से जो दूसरे एक्सपर्ट्स हैं, उनकी राय भी आपको काफी लाभ पहुंचा सकती है। किन्तु अंत में आपका डिस्प्लिन और बेहतरीन रीवीजन के साथ मॉक टेस्ट पेपर अधिक से अधिक बार सॉल्व करना आपके लिए सबसे मददगार साबित हो सकता है। कंप्रिहेंसिव रीवीजन इसमें काफी फायदेमंद साबित होता है। इसके लिए आपको एनसीआरटी बुक्स का गहराई से अध्ययन करना चाहिए। अंत में आपको संपूर्ण सिलेबस पर ध्यान देना होता है और सिलेबिट वर्टिफिक्स को स्टडी करने से बचना है। आपको सम्पूर्ण कोर्स के अधिक से अधिक हिस्सों को, कम से कम समय में कवर करने की कोशिश करनी चाहिए। ध्यान रहे, इसका कोई शॉर्टकट नहीं है, बल्कि कड़ी मेहनत ही आपको इसमें इक्षित परिणाम दे सकती है।



राजस्थान दर्शन

रेडीमेड एवं होजरी व्यापार संघ के चुनाव निर्विरोध संपन्न



राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। रविवार को रेडीमेड एवं होजरी व्यापार संघ के चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। व्यापार महासंघ के अध्यक्ष एवं चुनाव प्रभारी सुनील जागेरिया तथा राजकुमार बज के नेतृत्व में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं निर्विरोध रूप से संपन्न हुई। चुनाव में सुशील भड़कत्या को अध्यक्ष, प्रहलाद पटवा को महासचिव, हरीश गुरनानी को उपाध्यक्ष, देवराज साहू को सचिव तथा करण कृपलानी को मीडिया प्रभारी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर निवर्तमान रेडीमेड व्यापार संघ अध्यक्ष विनोद मलकानी को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। साथ ही नवनिर्वाचित पार्षद संदीप सिंह अरोड़ा का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए नवनिर्वाचित महासचिव प्रह्लाद पटवा ने बताया कि आगामी दिनों में नवीन कार्यकारिणी के गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह के आयोजन को लेकर सभी प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में विचार-विमर्श के पश्चात कार्यक्रम की तिथि एवं अन्य विवरणों की घोषणा शीघ्र की जाएगी। इस अवसर पर ललित वंगानी, ऋषि उपाध्याय, महेश दादवानी , टोटूभाई, राजेन्द्र वाधवानी, गोपाल भट्ट, अरविन्द बागमार, ओम उपाध्याय, शिव प्रजापत, पंकज जागेरिया, शशांक भगवतीलाल, पवन मेढतवाल, अपुल चिपुप, पौषूप, अमित, दिनेश, राकेश गिल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अग्रसेन जयंती पर निकली शोभायात्रा का भाजपा ने किया स्वागत

राजस्थान दर्शन

निम्बाहेड़ा। श्री महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर रविवार को नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैड-बाजों और धार्मिक उत्साह के बीच श्री हनुमान मंदिर से रवाना हुई शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं, श्रद्धालुओं, महिलाओं एवं युवाओं ने भाग लिया। शोभायात्रा का भाजपा पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने श्रेखावत सकल स्थित क्रय-विक्रय समिति कार्यालय के सामने शोभायात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया तथा अग्रवाल समाज के लोगों को अग्रसेन जयंती की शुभकामनाएं दीं ।
कांग्रेसजनों ने अग्रसेन जयंती पर निकली शोभायात्रा का किया स्वागत

राजस्थान दर्शन

निंबाहेड़ा। अग्रवाल समाज की ओर से अग्रसेन जी महाराज की जयंती के अवसर पर रविवार को नगर में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का चित्तौड़ी दरवाजा स्थित पुराने अस्पताल के समीप पूर्व सहकारिता मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष उदयलाल आंजना की ओर से कांग्रेसजनों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने शोभायात्रा में शामिल अग्रवाल समाजबंधुओं को अग्रसेन जयंती की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक एकता,भाईचारे तथा सद्भाव की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। कांग्रेसजनों ने कहा कि श्री अग्रसेन जी महाराज का जीवन सेवा, परोपकार, समानता, सहयोग और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देता है। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज के सभी वर्गों को मिल-जुलकर आगे बढ़ने तथा जरूरतमंदों की सहायता करने का संदेश देती हैं। अग्रसेन जयंती जैसे आयोजन सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को महापुरुषों के आदर्शों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जिला यूनेस्को एसोसिएशन कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न



राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। वसुधैव कुटुम्बकम से ही विश्व का कल्याण संभव है। विश्व कल्याण के लिए सामाजिक, शैक्षिक चेतना व सांस्कृतिक उन्नयन जरूरी है। यह काम विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक, सांस्कृतिक संगठन यूनेस्को करने में जुटा हुआ है। यह विचार स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के प्रदेश संयोजक गोपाललाल माली ने जिला यूनेस्को एसोसिएशन की कार्यकारिणी बैठक में व्यक्त किये। उन्होंने यह भी कहा कि यूनेस्को को संस्कृति आदान-प्रदान के जरिये मानवीय मूल्यों, नैतिकता को विकसित करना होगा। नेहरू रोड स्थित कार्यालय में आयोजित जिला कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता जिला यूनेस्को एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित कुमार अग्रवाल ने की। एसोसिएशन के सचिव जगदीश चन्द्र मुन्दड़ा ने बताया कि बैठक में यूनेस्को एसोसिएशन द्वारा आगामी दिनों में जिला यूनेस्को एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। साथ ही इस बैठक में यूनेस्को द्वारा कई विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित करने के तहत इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को ड्राईंग शीट व क्लर सहित स्टेशनरी वितरण के साथ-साथ सोशल अवर्नस के कार्यक्रम भी आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यकारिणी बैठक में पूर्व सभापति मधु जाजू, कार्यकारी अध्यक्ष दिव्या जैन, पूर्व अध्यक्ष चेतन मानसिंहका, कोषाध्यक्ष विशाल विजयवर्गीय, संगठनमंत्री कमलेश जाजू, जिला यूनेस्को की प्रवक्ता मधु लोढा, उषा अग्रवाल, रामचन्द्र मून्‍दड़ा, साधना मेलाना, राजेश जीनगर, ओम उज्ज्वल, तोताराम सांखला सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

चित्तौड़गढ़ -राजसमंद दर्शन

राजसमंद में 13 से 15 जनवरी तक होगा 34 वां आदिवासी एकता परिषद सांस्कृतिक महासम्मेलन

उदयपुर के बलीचा में आयोजित बैठक में लिया निर्णय, देशभर के आदिवासी समाज की भागीदारी की संभावना

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। आदिवासी एकता परिषद के 34वें सांस्कृतिक महासम्मेलन का आयोजन आगामी 13 से 15 जनवरी 2027 तक राजसमंद जिले की नाथद्वारा तहसील के ग्राम पंचायत गुंजोल में किया जाएगा। महासम्मेलन की तैयारियों और आयोजन की रूपरेखा को लेकर रविवार को उदयपुर के बलीचा में परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में आयोजन स्थल, व्यवस्थाओं और विभिन्न राज्यों के आदिवासी समाज की भागीदारी सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा कर आयोजन को सफल बनाने की रणनीति तय की गई। बैठक में आदिवासी एकता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मोगजी

श्री कालभैरव (श्री काला जी बावजी) देव स्थल पर नवरात्रि महोत्सव प्रारंभ

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़। बोजुन्दा पॉलिटेक्निक कॉलेज के निकट स्थित श्री कालभैरव (श्री काला जी बावजी) देव स्थल पर रविवार पर नवरात्रि महोत्सव प्रारंभ हो गया। नवरात्रि के अवसर पर प्रतिदिन सुबह सवा नौ बजे व सायंकाल 7.15 बजे महा आरती और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। 19 अक्टूबर सोमवार को हवन, अनुष्ठान और कन्यापूजन के साथ नवरात्रि महोत्सव की पूर्णाहुति होगी। बोजुन्दा में स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में अति प्राचीन श्री काल भैरव (श्री काला बावजी) मंदिर अति प्राचीन और चमत्कारिक देवस्थल है। यहां प्रत्येक शनिवार को बावजी की गादी लगती है।

स्कूली राज्य स्तरीय तैराकी में भीलवाड़ा का जलवा, विवेकानंद तरणताल के तैराकों ने जीते 11 पदक

राजस्थान दर्शन

वर्ग: शुभम गांधा: 1 रजत (100 मी फ्री स्टाइल), 1 कांस्य (50 मी फ्री स्टाइल) अदिति खोईवाल एवं प्रीति माली: कांस्य पदक (4म।100 मी फ्री स्टाइल रिले) 19 वर्ष से कम आयु वर्ग: प्रियंका माली: कांस्य पदक (4म।100 मी मेडल रिले) गोवा में राष्ट्रीय स्तर पर करेंगे प्रतिनिधित्व : शानदार प्रदर्शन के आधार पर वैभव माली और शुभम गांधा का चयन गोवा में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय SGFI (स्कूल गोम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया) तैराकी प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जहाँ वे राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। तरणताल पर हुआ भव्य स्वागत : तैराकों की इस उपलब्धि पर विवेकानंद तरणताल पहुँचने पर पूरी टीम का जोरदार स्वागत किया गया। विवेकानंद खेल विकास संस्थान के अध्यक्ष श्याम सुंदर सोनी, सचिव राकेश पालीवाल, कोषाध्यक्ष कमल सिंह राणावत, उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह शेखावत, अब्बास अली कायमखानी, यमुना प्रसाद यादव, कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र सिंह राठौड़, मुकेश भित्तल, परवीन बानो, अर्चना यादव एवं तनिष्का राणावत ने खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन कुणाल ओझा ने किया।

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। हाल ही में संपन्न हुई 70वीं स्कूली राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में स्वामी विवेकानंद तरणताल के तैराकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 11 पदक अपने नाम किए हैं। जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र भीलवाड़ा द्वारा संचालित तरणताल पर नियमित अभ्यास करने वाले 7 तैराकों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 2 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य पदक हासिल किए। जिला खेल अधिकारी हेमैंद्र सिंह राणावत ने बताया कि प्रतियोगिता में वैभव माली ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 14 वर्ष से कम आयु वर्ग में 100 मीटर और 200 मीटर बैक स्ट्रोक में 2 स्वर्ण (गोल्ड) पदक झटके। इसके अलावा उन्होंने 4म।100 मीटर मेडल रिले में रजत और 50 मीटर बैक स्ट्रोक में कांस्य पदक भी जीता। आयु वर्ग वार विजेताओं की सूची: 14 वर्ष से कम आयु वर्ग: वैभव माली: 2 स्वर्ण (100 व 200 मी बैक स्ट्रोक), 1 रजत (4म।100 मी मेडल रिले), 1 कांस्य (50 मी बैक स्ट्रोक) देवराज माली: 1 रजत (4म।100 मी मेडल रिले) अवींका ओझा: 1 रजत (4म।100 मी मेडल रिले) 17 वर्ष से कम आयु

श्रीजोगणियां माता में घट स्थापना के साथ नौ दिवसीय महोत्सव का हुआ शुभारंभ

विधायक धाकड व अध्यक्ष जोशी ने ध्वजारोहण कर की शुरुआत

राजस्थान दर्शन

बेगूँ। चित्तौड़गढ़ जिले के बेगूँ के प्रमुख शक्तिपीठ श्रीजोगणियां माताजी के पावन धाम में रविवार को शारदीय नवरात्रि धार्मिक महोत्सव का संत महात्माओं जनप्रतिनिधियों व संस्थान के पदाधिकारियों की उपस्थिति में घटस्थापना व ध्वजारोहण के साथ भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय बेगूँ विधायक डॉ सुरेश धाकड ने संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी व उपस्थित पदाधिकारियों के साथ ध्वजारोहण कर नौदिवसीय नवरात्री महोत्सव की शुरुआत की। श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान के तत्वावधान में आयोजित महोत्सव के प्रथम दिन वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक परंपराओं के



भागोरा, राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक भाई बागुल, लाल सिंह गामित, जोवराज डामोर, मान सिंह निनामा सहित गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के सामाजिक कार्यकर्ता एवं परिषद के सदस्य मौजूद रहे। आदिवासी एकता परिषद विद्यार्थी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द कोटेड ने बताया कि हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस बार भी 13, 14 और 15 जनवरी को तीन दिवसीय सांस्कृतिक महासम्मेलन आयोजित होगा। इससे पहले महासम्मेलन मध्य प्रदेश के

बुरहानपुर में आयोजित किया गया था। करीब पांच वर्ष बाद राजस्थान को इस आयोजन की मेजबानी का अवसर मिला है।

आदिवासी संस्कृति और परंपराओं का साझा मंच:

कोटेड ने बताया कि महासम्मेलन आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक रीति-रिवाजों, भाषाओं, वेशभूषा और

असु चंड महोत्सव के तहत आज होगा झूलेलाल साहेब का पंचामृत अभिषेक और ध्वजारोहण

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। शहर की शाम की सब्जी मंडी स्थित झूलेलाल मंदिर में रविवार को शारदीय नवरात्र के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस दौरान 101 श्रद्धालुओं ने विभिन्न श्लोकों के उच्चारण के बीच विधि-विधान से मां दुर्गा की घट स्थापना की। मंदिर परिसर भक्ति, श्रद्धा और माता के जयकारों से गुंजायमान रहा। सिंधी समाज के मीडिया प्रभारी मूलचंद बहरवानी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर के प्रसिद्ध गायक कलाकार बाबूलाल शर्मा के भजनों से हुई। उनके भक्ति गीतों पर श्रद्धालु झूम उठे और नृत्य कर माता की आराधना की। इसके बाद मंदिर के पीडित दशरथ महता ने स्वस्ति श्लोकों के उच्चारण के साथ श्रद्धालुओं के माथे पर सिंदूर-कुमकुम का तिलक लगाया तथा उनकी बांहों में मौली बांधीं। इस धार्मिक प्रक्रिया के बाद घट स्थापना कार्यक्रम शुरू हुआ। पीडित गणेशलाल और उनके दल ने श्रद्धालुओं से विधि-विधान के साथ घट स्थापना करवाई। वरिष्ठ समाजसेवी हेमनदास भोजवानी ने बताया कि आयोजन के दौरान मंदिर में भक्तों का रेला उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर परिवार, समाज और देश में सुख-समृद्धि की कामना की। आज होगा झूलेलाल साहेब का पंचामृत अभिषेक : मंदिर के सेवादारी

उदयपुर, सोमवार 12 अक्टूबर, 20268

जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का संदेश:

उन्होंने कहा कि आदिवासी एकता परिषद का यह महासम्मेलन सांस्कृतिक आयोजन है, जिसका उद्देश्य आदिवासी समाज की प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है। आयोजन के माध्यम से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण, प्रकृति के प्रति सम्मान तथा पारंपरिक लोकनृत्य, लोककला और रीति-रिवाजों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश दिया जाता है।

लाखों लोगों के शामिल होने की संभावना:

आयोजकों के अनुसार, महासम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों आदिवासी समाज के लोगों के शामिल होने की संभावना है। हर वर्ष अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों के जनजातीय समुदायों को अपनी संस्कृति और परंपराओं को साझा करने का अवसर प्रदान करता है। इससे समाज में आपसी भाईचारे, एकता और सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिलती है। अरविन्द कोटेड ने आदिवासी समाज के लोगों से 13 से 15 जनवरी 2027 तक ग्राम पंचायत गुंजोल में आयोजित होने वाले 34वें आदिवासी एकता परिषद सांस्कृतिक महासम्मेलन में अधिकाधिक संख्या में भाग लेने और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने को अपील की।

लोककलाओं को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों के आदिवासी समुदायों के साथ विदेशों से भी लोगों के शामिल होने की संभावना रहती है। भील,

भीलवाड़ा के झूलेलाल मंदिर में नवरात्र पर धार्मिक अनुष्ठान, 101 श्रद्धालुओं ने की घट स्थापना



अध्यक्ष तुलसीदास निहलानी (शेरू भाई) ने बताया कि सोमवार को सुबह सवा सात बजे से असु चंड्र के उपलक्ष्य में भगवान झूलेलाल साहेब की प्रतिमा का पंचामृत से अभिषेक किया जाएगा। सुबह 10 बजे भगवान झूलेलाल साहेब की स्तुति और मंत्रोच्चार के साथ ध्वज की पूजा-अर्चना होगी। इसके बाद संत-महात्माओं द्वारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का विधिवत आगाज किया जाएगा। बहराणा साहेब की ज्योत लेकर नसीराबाद आनेवाे सेवादारी : संस्थान के उपाध्यक्ष सुरेश भोजवानी ने बताया कि मंदिर में पूज्य बहराणा साहेब की स्थापना, ज्योत प्रज्वलन, पुष्प वर्षा और भोजन प्रसादी के बाद सेवादरियों का दल बहराणा साहेब के साथ नसीराबाद रवाना होगा। वहां स्थानीय सिंधी समाज की ओर से आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया जाएगा। नसीराबाद में महाआरती, पल्लव और अरदास के माध्यम से देश एवं समाज में सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि की कामना की जाएगी। इसके बाद पवित्र ज्योत का हिसर्जन कर धार्मिक आयोजन का समापन होगा

नवरात्र घट स्थापना के साथ सांसद, महापौर एवं पार्षदों का सम्मान समारोह संपन्न

कोली समाज ने छात्रावास के लिए भूमि आवंटन की मांग रखी

राजस्थान दर्शन

भीलवाड़ा। कोली समाज विकास ट्रस्ट, भीलवाड़ा के तत्वावधान में कोली समाज के पौराणिक एवं आस्था के प्रमुख केंद्र मां जोगणिया धाम, कुंवारा रोड स्थित जोगणिया माता परिसर में नवरात्र के पावन पर्व पर मां गदगुली जोगणिया माता सहित अन्य देवी-देवताओं की विधिवत घट स्थापना की गई। इस अवसर पर सांसद, महापौर, पार्षदों एवं समाज के जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज की ओर से शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छात्रावास हेतु भूमि आवंटन की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। देवी-देवताओं की घट स्थापना, श्रद्धालुओं में उत्साह: मंदिर के भोपा राजेश कर्सांडिया ने बताया कि मां जोगणिया माता परिसर में गढ़गौली भैरूनाथ, शेर दशहरा भैरूनाथ एवं बालाजी महाराज के स्थान बने हुए हैं। इन धार्मिक स्थलों के प्रति शहरवासियों की गहरी आस्था है। नवरात्र के पावन अवसर पर विशेष घट स्थापना कर धार्मिक अनुष्ठान किए गए। सांसद, महापौर एवं जनप्रतिनिधियों का मारवाड़ी साफा पहनाकर सम्मान : कोली समाज विकास ट्रस्ट के सचिव मुरलीधर लोरवाड़िया ने बताया कि घट स्थापना के साथ

आयोजित सम्मान समारोह में भीलवाड़ा के लोकप्रिय सांसद दामोदर अग्रवाल, नगर निगम महापौर जसवंत कंवर, पार्षद रमेश चंद्र कोली, शंकरलाल जाट, गोपाल कीर, पार्षद प्रतिनिधि गजेंद्र सिंह भगत सेन तथा भाजपा कार्यकर्ता जगदीश डिडवाळिया एवं प्रकाश डिडवाळिया सहित अन्य अतिथियों का मारवाड़ी साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश सुजातिया ने समाज में शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने तथा भावी पीढ़ी को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सांसद दामोदर अग्रवाल एवं महापौर जसवंत कंवर के प्रस्थान में जोगणिया माता मंदिर के पास नगर निगम की पड़त भूमि को कोली समाज छात्रावास के लिए आवंटित करने की मांग रखी। महापौर जसवंत कंवर ने मांग पर सकारात्मक रुख अग्रनाते हुए नगर निगम बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव लाकर भूमि आवंटन की दिशा में कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। समाजजनों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि छात्रावास के निर्माण से समाज के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा मिलेगी। बदलेस्वर महादेव मंदिर में पुस्तकालय के लिए सांसद से सहयोग की मांग : समाज की ओर से सांसद दामोदर अग्रवाल के समक्ष बदलेस्वर महादेव मंदिर परिसर में पुस्तकालय एवं लाइब्रेरी के निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। सांसद ने इस संबंध में सकारात्मक आश्वासन देते हुए मांग पूरी करने के लिए शीघ्र प्रयास करने की बात कही।

भजन संंध्या सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। बेगूँ के बड़ोदिया महादेव में मानस पाठ प्रारम्भ बेगूँ। बेगूँ नगर के श्री बड़ोदिया महादेव में 54वां नवरात्रि महोत्सव घट स्थापना के साथ शुरू हुआ। नगर की ब्राह्मणी नदी तट के पर स्थित श्री बड़ोदिया महादेव रामायण मंडल चंपाराम बेगूँ नगरपालिका अध्यक्ष गरिमा कुल्दीप शर्मा, नया उपाध्यक्ष शैलेन्द्र आंचिलियाँ कथावाचक पीडित राकेश मिश्रा सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, संस्थान के पदाधिकारी, कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। श्रीजोगणियामाता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने बताया कि शारदीय नवरात्रि धार्मिक महोत्सव 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन माता रानी की पूजा-अर्चना, आरती एवं दर्शन, श्रमद देवीभागवत कथा एवं मूल पारायण, अखंड रामायण पाठ, रामलीला मनोरम तथा

भजन संंध्या सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। बेगूँ के बड़ोदिया महादेव में मानस पाठ प्रारम्भ बेगूँ। बेगूँ नगर के श्री बड़ोदिया महादेव में 54वां नवरात्रि महोत्सव घट स्थापना के साथ शुरू हुआ। नगर की ब्राह्मणी नदी तट के पर स्थित श्री बड़ोदिया महादेव रामायण मंडल चंपाराम बेगूँ नगरपालिका अध्यक्ष गरिमा कुल्दीप शर्मा, नया उपाध्यक्ष शैलेन्द्र आंचिलियाँ कथावाचक पीडित राकेश मिश्रा सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, संस्थान के पदाधिकारी, कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। श्रीजोगणियामाता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने बताया कि शारदीय नवरात्रि धार्मिक महोत्सव 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन माता रानी की पूजा-अर्चना, आरती एवं दर्शन, श्रमद देवीभागवत कथा एवं मूल पारायण, अखंड रामायण पाठ, रामलीला मनोरम तथा

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी राव संजय सिंह के लिए मेसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस, 311-A, चित्रकूट नगर, उदयपुर, राजस्थान- 313001 से मुद्रित एवं 705, ए ब्लॉक, वैदेही प्रीमियम हाउसिंग, श्री चैतन्य टेकनो स्कूल के पास, बेदला,100 फीट रोड, उदयपुर, राजस्थान - 313001 से प्रकाशित। संपादक: कमलेश सिंह, एच- 6, नंजपुरी कालोनी, मालवीय नगर, जयपुर- 302017, फोन नं- 0141-481199557 मो. 9166693566 E-mail rajasthanadarshanudaipur@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)

